सुविचार

प्यार और सम्मान करने की क्षमता मनुष्य को ईश्वर का दिया हुआ सबसे बड़ा उपहार है।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

16 साल बाद विश्व कप में दोहराया इतिहास, 5वें दिन खेले गए सभी 4 मैचों का नहीं निकला कोई नतीजा...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 166 | दिनांक : बुधवार, 17 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

ब्रातिस्लावा में दिखी बनारस की झलक, पीएम मोदी ने सराहा सांस्कृतिक सेतु

कला-संस्कृति देशों को जोड़ने का सशक्त माध्यम : पीएम मोदी

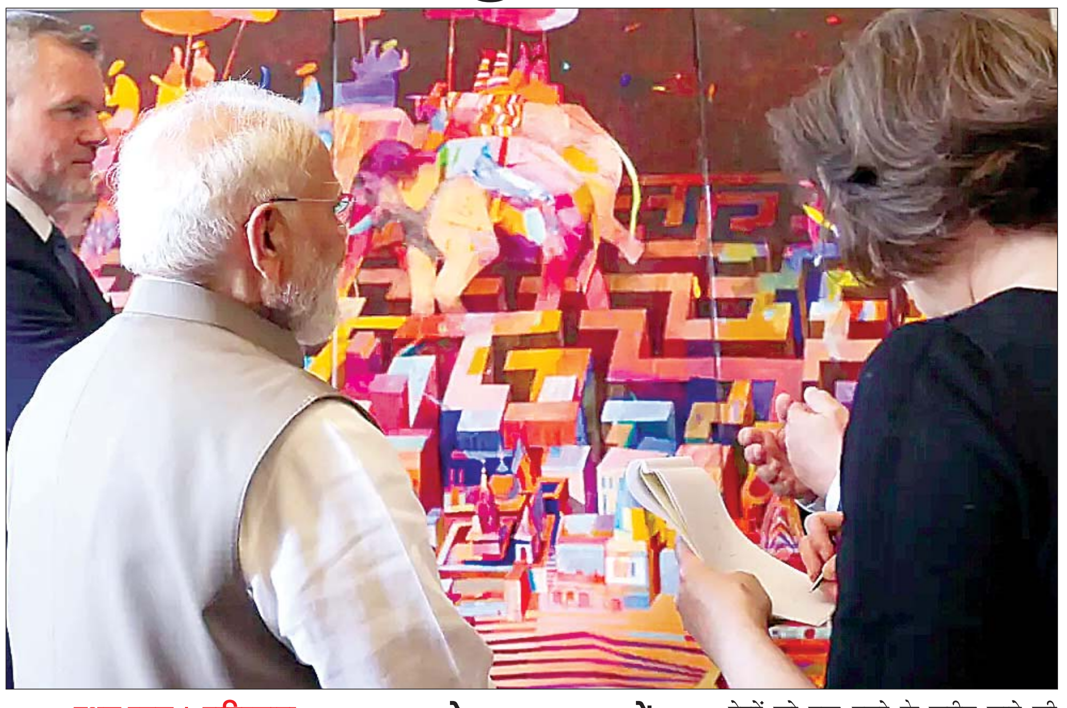

» प्रथम न्यूज । ब्रातिस्लावा

16 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्लोवाकिया की राजधानी बरातीस्लावा स्थित प्रेजिडेंशियल पैलेस में वाराणसी विषय पर आधारित एक विशेष पेंटिंग प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेल्लेग्रानी भी मौजूद रहे। प्रदर्शनी में हाल ही में वाराणसी की यात्रा करने वाले स्लोवाक कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई थीं, जिनमें शहर की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को दर्शाया गया। प्रदर्शनी

स्लोवाक कलाकारों की कृतियों में दिखी काशी की आत्मा, प्रदर्शनी में पहुंचे मोदी

देखने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और स्लोवाकिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने में कला की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कला और संस्कृति में लोगों तथा देशों को एक-दूसरे के करीब लाने की अद्भुत शक्ति होती है। उन्होंने प्रदर्शनी में शामिल सभी कलाकारों को शुभकामनाएं भी दीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रदर्शनी का विषय वाराणसी था और इसमें स्लोवाक कलाकारों ने अपने अनुभवों और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से भारतीय संस्कृति को चित्रित किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पेलेग्रिनी ने प्रदर्शित चित्रों एवं कलाकृतियों की सराहना करते हुए कलाकारों के प्रयासों की प्रशंसा की। मंत्रालय ने प्रदर्शनी की झलकियां भी साझा कीं और इसे दोनों देशों के सांस्कृतिक सहयोग का प्रतीक बताया।

G7 अब दुनिया नहीं चलाता, कनाडाई पीएम ने किया भारत की ताकत का खुलकर गुणगान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 जून (एएम नाथ)

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कानों ने जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी को बदलती वैश्विक व्यवस्था का साफ संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि जी-7 अब अकेले दुनिया पर शासन करने या अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपना प्रभुत्व जमाने का दावा नहीं कर सकता।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कानी ने कहा है कि फ्रांस में आयोजित हो रहे जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत समेत उभरती शक्तियों की भागीदारी वैश्विक व्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जी-7 अब अकेले अंतरराष्ट्रीय मामलों पर प्रभुत्व स्थापित करने या दुनिया पर शासन करने का दावा नहीं कर सकता। यूरोप की छह दिवसीय यात्रा के दौरान आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कानीं ने कहा कि आज की दुनिया में जी-7 को अपनी पुरानी सोच से आगे निकलना होगा।

भारत जैसे उभरते देशों को शामिल करना समूह की नई वास्तविकता और व्यावहारिक दृष्टिकोण को दिखाता है। कानीं ने स्पष्ट किया कि आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य सुरक्षा और भू-राजनीतिक तनाव जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान तभी संभव है जब पारंपरिक जी-7 ढांचे से आगे जाकर व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर जी-7 ने कभी दुनिया पर शासन किया भी था, तो अब वह ऐसा नहीं करता और न ही ऐसा दिखावा कर सकता है।

52वां जी-7 शिखर सम्मेलन आज से शुरू

बता दें कि फ्रांस के प्रसिद्ध रिसॉर्ट शहर एवियन में मंगलवार से 52वां जी-7 शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। इस बार सम्मेलन में केवल सात पारंपरिक सदस्य देशों के अलावा भारत, ब्राजील, मिर, केन्या और कई खाड़ी देशों के नेता भी शामिल हो रहे हैं। कानों ने इन अतिथि देशों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ये राष्ट्र वैश्विक मुद्दों पर चर्चा में व्यापक दृष्टिकोण और समावेशी समाधान प्रदान करेंगे, जिससे फैसले अधिक प्रभावी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बन सकेंगे।

जी-7 समिट में पीएम मोदी से मिलीं इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 जून (एजेंसी)

फ्रांस के एवियन शहर में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन के मंच पर भारत के पीएम नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात अनौपचारिक थी लेकिन फिर भी इसने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस बातचीत का वीडियो भी सामने आया है। इस बातचीत में मेलोनी मेलोडी मूमेंट

वाले वायरल इंस्टाग्राम पोस्ट का जिक्र करती दिख रही हैं। इस खास मुलाकात के दौरान जब मेलोनी ने मुस्कुराते हुए पीएम मोदी से कहा, आपसे दोबारा मिलकर अच्छा लगा, आखिर हम इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा मशहूर जो हैं।

हाल ही में पीएम मोदी की इटली यात्रा के दौरान उनकी और मेलोनी की मेलोडी टॉफी वाली पोस्ट इंस्टाग्राम पर काफी वायरल हुई थी। इस पोस्ट को 10 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिले थे।

दिल्ली में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़

7 गिरफ्तार, बड़ी साजिश नाकाम

नई दिल्ली (ब्यूरो)- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान समर्थित एक बड़े आतंकी और आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। साथ ही पुलिस को इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार करने में भी कामयाबी मिली है। यह सभी आरोपी पाकिस्तान में बैठे शाहजाद भट्टी और उसके साथी अजमल गुज्जर के इशारे पर काम कर रहे थे। साथ ही आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में हथियार भी मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते अवैध हथियार, कारतूस और नशीले पदार्थ मंगाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 5 पिस्टल, 41 जिंदा कारतूस, 7 मोबाइल फोन और एक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की है।

जांच में पता चला कि गिरोह सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को अपने जाल में फंसाता था। उन्हें जल्दी पैसा कमाने और अपराध की दुनिया की चमक-दमक दिखाकर भर्ती किया जाता था। इसके बाद उन्हें हथियारों और नशे की तस्करी जैसे कामों में लगाया जाता था।

हरियाणा में बड़ा विकास प्लान

केएमपी एक्सप्रेसवे बनेगा नई औद्योगिक और शहरी क्रांति की धुरी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 जून (एएम नाथ)

हरियाणा सरकार ने कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे को प्रदेश के भविष्य के विकास की धुरी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केएमपी एक्सप्रेसवे पर पांच नये शहर और तीन आइएमटी से पूरे राज्य की तस्वीर बदलने वाली है।

प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि करीब 135 किलोमीटर लंबा केएमपी एक्सप्रेसवे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा और आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की नई पहचान बनकर उभरेगा।

दोनों ओर बसेंगे पांच आधुनिक शहर

वर्ष 2041 की संभावित जनसंख्या और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार केएमपी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पांच नये आधुनिक शहर बसाने की योजना

पर कार्य कर रही है। इसके लिए पंचग्राम विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्रमुखता से उठा चुके हैं। राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2030 तक प्रदेश में 10 नई औद्योगिक माडल टाउनशिप (आइएमटी) स्थापित करने की घोषणा की गई थी। इनमें से पांच आइएमटी को मंजूरी मिल चुकी है और उनके विकास की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

विकसित भारत के आकर्षण के केंद्र बनेंगे : प्रस्तावित 10 आइएमटी में से तीन को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में केएमपी एक्सप्रेसवे के साथ विकसित किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र औद्योगिक निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बन सकेगा।

उद्योग मंत्री ने कहा कि केएमपी के दोनों ओर विकसित होने वाले पांच नये शहर न केवल विकसित भारत के आकर्षण केंद्र बनेंगे। बल्कि दिल्ली और एनसीआर पर बढ़ रहे जनसंख्या तथा यातायात दबाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे क्षेत्रीय विकास को संतुलन मिलेगा और लोगों को रोजगार, आवास तथा आधुनिक सुविधाएं अपने निकट उपलब्ध हो सकेंगी।

हरियाणा में 10 नई आएमटी विकसित होंगी : राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरित क्रांति का अग्रदूत रहा हरियाणा आज औद्योगिक और तकनीकी विकास के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छू रहा है। गुरुग्राम ने आइटी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाते हुए देश और दुनिया में अलग स्थान हासिल किया है।

देहरादून में 12वीं की टॉपर रिया ने लगाई फांसी

सुसाइड नोट में लिखा, आई लव यू मम्मी-पापा

» प्रथम न्यूज । देहरादून

16 जून (ब्यूरो)

देहरादून के चंद्रबनी में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। 23 वर्षीय रिया कुमारी थापा ने अपने घर के कमरे में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। रिया एंट्रेंस परीक्षा की तैयारी कर रही थी। जैसे ही परिवार वालों को पता चला कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है, उनका रो-रोकर बुरा हाल है। 23 साल की रिया कुमारी थापा पढ़ाई में बहुत अच्छी थी।

रिया ने 12वीं में 97.6% अंक हासिल कर टॉप किया था। उसने देहरादून के आईएसबीटी के नजदीक राममोहन राय इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की थी। आई लव यू मम्मी-पापा रिया कुमारी थापा के आखिरी शब्द थे, जो उसने अपने सुसाइड नोट में लिखे। 23 साल की रिया पढ़ाई में बेहद होशियार थी। रिया के पिता कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं, जबकि उसकी मां गृहिणी हैं। रिया टॉपर थी और बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर अपनी परीक्षा फीस और किताबों का खर्च खुद उठाती थी। रिया परीक्षा की तैयारी कर रही थी और दो बार परीक्षा दे चुकी थी। पहली बार वह सफल नहीं हो पाई, लेकिन 2026 में हुई दूसरी परीक्षा को लेकर वह काफी आश्वस्त थी। उसने परिवार और आसपास के लोगों से कहा था कि उसका पेपर अच्छा गया है और वह जरूर पास होगी।

तेहरान परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत

यूएस-ईरान के बीच स्स्श पर हस्ताक्षर, शुक्रवार को जारी होंगे दस्तावेज

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन

16 जून (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने पर सहमत हो गया है। साथ ही उन्होंने उन खबरों को फेक न्यूज बताया कि वॉशिंगटन नए घोषित शांति समझौते के तहत तेहरान को 300 अमेरिकी मिलियन डॉलर देगा।

ट्रंप ने अपने प्रशासन की बात दोहराई कि ईरान के साथ समझौता यह पक्का करेगा कि तेहरान परमाणु हथियार न बनाए। ट्रंप ने लिखा, ईरान ने कभी भी परमाणु हथियार न रखने पर सहमति जताई है! उनकी यह बात अमेरिका और ईरान के बीच साइन किए गए समझौता ज्ञापन (स्स्श) को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच आई है।

ये भविष्य में जुड़ाव के लिए एक फ्रेमवर्क बनाता है और बैन में राहत को तेहरान के न्यूक्लियर वेरिफिकेशन उपायों और रीजनल सिक्योरिटी कमिटमेंट्स के पालन से जोड़ता है।

राष्ट्रपति की बात का समर्थन करते हुए अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ट्रंप की डिप्लोमैटिक कोशिशों के एक बार फिर नतीजे मिले हैं। यह पक्का किया है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना समझौते का मुख्य उद्देश्य बना हुआ है।

एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो मैसेज में वेंस ने कहा, प्रेसिडेंट पहले दिन से ही साफ रहे हैं। ईरान के पास कभी न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा। एक बार फिर प्रेसिडेंट ट्रंप की शांति बनाने की कोशिशें अमेरिकी लोगों के लिए कामयाब रही है, भले ही अमेरिका और प्रेसिडेंट ट्रंप से नफरत करने वाले लोगों ने इसे रोकने की अनगिनत कोशिशें की हों।

पंजाब में 523 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

भगवंत मान बोले, सरकारी नौकरियों में खत्म हुआ सिफारिश और पैसे का दौर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 523 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि उनकी सरकार ने सरकारी नौकरियों में सिफारिश, राजनीतिक प्रभाव और पैसे के लेन-देन की पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब भर्ती पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित प्रक्रिया के माध्यम से की जा रही है, जिससे योग्य युवाओं का सरकारी भर्ती प्रणाली पर विश्वास बहाल हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद पिछले चार वर्षों में 67,563

सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि पहले योग्य उम्मीदवार अवसरों से वंचित रह जाते थे, लेकिन अब मेहनत और प्रतिभा के आधार पर युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार द्वारा की गई किसी भी भर्ती को अब तक अदालत में चुनौती नहीं दी गई है।

भगवंत मान ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 990 आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं, जहां 107 आवश्यक दवाइयां और 47 डायग्नोस्टिक जांचें मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उनके अनुसार अब तक इन क्लीनिकों में 5.54 करोड़ से अधिक ओपीडी विजिट दर्ज की गई हैं और प्रतिदिन करीब 84 हजार मरीज सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 400 नए आम आदमी क्लीनिक भी निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान शुरू किया है और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को सालाना 10 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सुविधा पंजाब और चंडीगढ़ के लगभग 900 सरकारी तथा सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में 2,356 चिकित्सा एवं सर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए लागू है। देश में विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान एक भी परीक्षा पेपर लीक नहीं हुआ। उन्होंने इसे राज्य में पारदर्शी और जवाबदेह परीक्षा प्रणाली का परिणाम बताया।

इस भर्ती अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग में 178 मेडिकल अधिकारी, 99 स्टाफ नर्सें, 124 मल्टी-पर्पज हेल्थ वर्कर (पुरुष), 64 मल्टी-पर्पज हेल्थ वर्कर (महिलाएं), 24 डेंटल टीचिंग फैकल्टी सदस्य, 23 आयुर्वेदिक टीचिंग फैकल्टी सदस्य तथा अन्य क्लेरिकल और सहायक कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलवीर सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

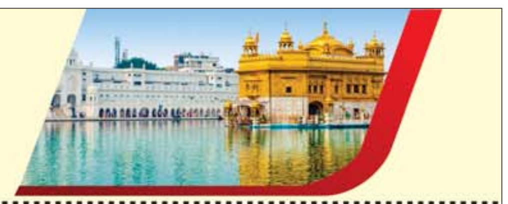

संक्षिप्त न्यूज

लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान पंजाब के जवान सरबजीत सिंह का निधन, गांव में शोक की लहर

रूपनगर (ब्यूरो)– पंजाब के रूपनगर जिले के घाड़ क्षेत्र के गांव बिंदरख के रहने वाले सेना के जवान सरबजीत सिंह लेह–लद्दाख में ड्यूटी के दौरान बलिदान हो गए। वह सिख रेजिमेंट में तैनात थे और एक ग्लेशियर क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे थे। परिजनों के अनुसार, सेना के अधिकारियों ने सोमवार सुबह फोन पर सूचना दी कि सरबजीत सिंह का बीती रात ऑक्सीजन की कमी के कारण निधन हो गया। जवान के ताऊ और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखविंदर सिंह ने बताया कि परिवार को इस दुखद घटना की जानकारी सेना की ओर से दी गई।

उन्होंने बताया कि जवान का पार्थिव शरीर चंडीमंदिर से गांव बिंदरख लाया जाएगा, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जवान के निधन की खबर से गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने सरबजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पंजाब में बड़ा हादसा, ट्राले में घुसी कार, SHO की दर्दनाक मौत

बठिंडा (ब्यूरो)– पंजाब के बठिंडा–मानसा रोड पर मंगलवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में महिला थाना मानसा की एसएचओ इंस्पेक्टर बेअंत कौर की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा गुरुद्वारा तित्तरसार साहिब के नजदीक उस समय हुआ, जब वह अपनी कार से ड्यूटी के लिए मानसा जा रही थीं।

जानकारी के अनुसार, इंस्पेक्टर बेअंत कौर की कार आगे चल रही भूसे (तूड़ी) से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना मोड़ पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल बठिंडा भेज दिया है। शुरुआती जांच में हादसे के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस सड़क पर दृश्यता, ट्रैक्टर–ट्रॉली की सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर बेअंत कौर वर्तमान में महिला पुलिस थाना मानसा में एसएचओ के पद पर तैनात थीं। वह बठिंडा जिले के गांव जंगीराना की निवासी थीं और उनका विवाह गांव मैसरखाना में हुआ था। उनके परिवार में पति और दो छोटे बच्चे हैं।

शोक की लहर – उनके निधन की खबर से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों ने उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ, मेहनती और संवेदनशील अधिकारी बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। यह हादसा सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों पर सुरक्षा मानकों के पालन की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर करता है।

अकाली दल की ओर से ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की मदद के लिए शुरू की गई पहल

जीरा, 16 जून (अंग्रेज बराड़) – राहत कार्यों की श्रृंखला को जारी रखते हुए, शिरोमणि अकाली दल बादल ने पंजाब में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की मदद के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शिरोमणि अकाली दल बादल के अध्यक्ष श्री सुखबीर सिंह बादल के निर्देशानुसार, जीरा निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं और सभी सर्कल अध्यक्षों के सहयोग से ओलावृष्टि से प्रभावित किसान परिवारों के लिए मलोट निर्वाचन क्षेत्र में गेहूं की 320 गांठें भेजी गईं। इस अवसर पर जीरा से शिरोमणि अकाली दल (बादल) के हलका प्रभारी श्री हरप्रीत सिंह हीरो ने कहा कि किसान पहले से ही प्राकृतिक आपदाओं के कारण आर्थिक कठिनाइयों और समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ओलावृष्टि ने कई क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की मेहनत और उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। ऐसी नाजुक स्थिति में, किसानों का समर्थन करना प्रत्येक सामाजिक और राजनीतिक संगठन का कर्तव्य है। नेताओं ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल हमेशा से किसानों के सुख–दुख में भागीदार रहा है और भविष्य में भी कृषि समुदाय को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि अनाज उत्पादक समुदाय की समृद्धि से ही पंजाब की प्रगति और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है।

पार्टी द्वारा दी गई यह सहायता मानवता, भाईचारे और सेवा भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आज जब किसान समुदाय कठिन दौर से गुजर रहा है, तब राजनीतिक बयानबाजी के बजाय व्यावहारिक सहायता की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री पहुंचाने के प्रयास किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सहायता प्रभावित किसान परिवारों के लिए कुछ हद तक राहत का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष जसवंत सिंह सोहबा, सुखमंदर सिंह सुशाक, जसपाल सिंह तलवंडी निपलां, नछत्तर सिंह संधू वरिष्ठ अकाली नेता, गुरध्यान सिंह सनेर, करमजीत सिंह सनेर, गगनदीप सिंह बूह युवा नेता, मंडल अध्यक्ष सुखदेव सिंह बिट्टू विज, जसविंदर सिंह भुल्लर, बलकार सिंह हल्का अध्यक्ष बीसी विंग, कुलदीप सिंह युवा मंडल अध्यक्ष, सुखविंदर सिंह जौड़ा वरिष्ठ अकाली नेता, सरबजीत सिंह बूह, मनजीत सिंह सानेर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंजाब की महिला कर्मचारियों को बड़ी राहत

परखकाल के बाद घर से 40 किलोमीटर के भीतर होगी तैनाती : सीएम मान

वीडियो में मैं नहीं, बदनाम किया जा रहा : सीएम भगवंत मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
16 जून (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुओं की बेअदबी मामले में अकाल तख्त के निर्देश पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने वायरल वीडियो से जुड़े आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और इसे उनको बदनाम करने के लिए चलाया गया झूठा प्रोपेगैंडा अभियान बताया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि जिस वीडियो के आधार पर उनके खिलाफ अकाल तख्त ने आदेश जारी किया है, उसमें नजर आ रहे व्यक्ति वह नहीं हैं। उनका हुलिया उससे बिल्कुल अलग है। उनको जब अकाल तख्त ने बुलाया था, तब वहां पेश होकर उन्होंने ये बात साफ कर दी थी।

वायरल वीडियो को भगवंत मान ने बताया साजिश, भगवंत मान ने लगाया इमेज खराब करने का आरोप

इस बीच आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मान का एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखलाए विरोधी उन्हें झूठा बताकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से मान का वीडियो देखने की अपील की।

भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखला कर विरोधी उनको झूठ बोलकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

सीएम मान ने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोग उनकी छवि खराब करने के लिए गलत जानकारी फैला रहे हैं। पंजाब सीएम ने दावा किया कि ये लोग अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार करके उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी सरकार ने पंजाब के जल संसाधनों, खेती, किसानों और युवाओं की सुरक्षा के लिए बहुत से फैसले लिए हैं, इसी वजह से उनको बदनाम किया जा रहा है।

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
16 जून (एएम नाथ)

पंजाब भर की महिला सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि ग्रुप सी और डी श्रेणियों से संबंधित महिला कर्मचारी, जिनमें स्टाफ नर्सें, महिला पुलिस कर्मी और अन्य पात्र कर्मचारी शामिल हैं, को उनका परखकाल पूरा होने के बाद उनके घरों से अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में ही तैनात किया जाएगा। इस निर्णय, जिसका उद्देश्य महिला कर्मचारियों के निजी जीवन और कार्यालयी कार्यों के बीच संतुलन को बेहतर बनाना है, को एक ऐतिहासिक कर्मचारी–हितैषी पहल बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'आप' सरकार कर्मचारियों, महिलाओं, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से राज्य भर के विभिन्न विभागों में कार्यरत हजारों महिला कर्मचारियों को लाभ होगा।

अधिक जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने पहले ही अधिकारियों को इस पहल को लागू करने के लिए आवश्यक ढांचा तैयार करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने कहा, हजारों महिला कर्मचारियों, विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत स्टाफ नर्सों, अध्यापकों और महिला पुलिस कर्मियों को इस पहल का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से कई महिला कर्मचारियों से बातचीत की है, जिन्होंने मुझे बताया कि उनकी तैनाती उनके घरों से लगभग 200 किलोमीटर दूर की गई है।

इसके कारण वे सप्ताह में केवल दो दिन ही अपने परिवारों से मिल पाती हैं और उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए हमारी सरकार ने ऐसी नीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसके तहत ग्रुप सी और डी श्रेणियों से संबंधित महिला कर्मचारियों, जिनमें स्टाफ नर्सें, अध्यापक और महिला पुलिस कर्मी शामिल हैं, को परख काल पूरा होने के बाद उनके घरों से अधिकतम 40 किलोमीटर के दायरे में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, महिला कर्मचारी आधिकारिक फॉर्म भरते समय अपने मायके या ससुराल का पता दे सकेंगी। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वे लगभग एक घंटे के भीतर अपने परिवार तक पहुंच सकें, क्योंकि एक खुश कर्मचारी हमेशा बेहतर प्रदर्शन करता है। 40 किलोमीटर केवल ऊपरी सीमा है और ये तैनातियां इससे भी कम दूरी, जैसे 15 या 20 किलोमीटर के भीतर भी हो सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों ने हमेशा अपनी चिंताओं और समस्याओं को उनके साथ खुलकर साझा किया है, जिससे सरकार को उनकी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को सीधे तौर पर हल करने वाली नीतियां तैयार कर सकती है।

34 साल बाद फिर गूंजा समय का स्वर : कंपनी बाग का ऐतिहासिक क्लॉक टॉवर पुनर्जीवित

» प्रथम न्यूज । जालंधर
16 जून (डोगरा/शैली अल्बर्ट)

शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सीटी ग्रुप ने पंजाब प्रेस क्लब के सहयोग से कंपनी बाग स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टॉवर का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार कर उसे पुन: जनता को समर्पित किया है। लगभग 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद यह ऐतिहासिक धरोहर एक बार फिर अपनी पहचान के साथ जीवंत हो उठी है।

10 फरवरी 1982 को स्थापित यह क्लॉक टॉवर वर्षों तक जालंधरवासियों को सटीक समय बताने के साथ–साथ शहर की पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक बना रहा। 1992 में इसके बंद होने के बाद यह ऐतिहासिक संरचना खामोश खड़ी रही, लेकिन लोगों की यादों में इसकी अहमियत बरकरार रही। इस विरासत की

ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्ता को ध्यान में रखते हुए सीटी ग्रुप ने पंजाब प्रेस क्लब के साथ मिलकर इसके पुनरुद्धार का जिम्मा उठाया। इस परियोजना की परिकल्पना सीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर सरदार चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी शहर की पहचान उसकी विरासत से जुड़ी होती है और उसे संरक्षित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि क्लॉक टॉवर केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि शहर की साझा स्मृतियों, परंपराओं और इतिहास का प्रतीक है। इसका पुनरुद्धार आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। इस परियोजना को साकार करने के लिए विशेषज्ञों की देखरेख में महीनों तक शोध, तकनीकी मूल्यांकन और सावधानीपूर्वक कार्य किया गया, ताकि इसकी मूल संरचना और ऐतिहासिक स्वरूप को बरकरार रखा जा सके। पंजाब प्रेस क्लब के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सैनी ने कहा कि क्लॉक टॉवर हमेशा से जालंधर के गौरव और पहचान का प्रतीक रहा है। इसका पुनर्जीवन शहर की सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास को दर्शाता है। इस अवसर पर सीटी ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रो. (डॉ.) मनबीर सिंह, उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह सहित पंजाब प्रेस क्लब के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इनमें वरिष्ठ पत्रकार सतनाम सिंह मानक, पूर्व अध्यक्ष डॉ. लखविंदर सिंह जोहल, उपाध्यक्ष मनदीप शर्मा, राजेश थापा, तेजिंदर कौर थिंद, परमजीत सिंह रंगपुरी, महासचिव पुनीत सहगल, सचिव राजेश योगी, संयुक्त सचिव सुक्रांत सफारी, कोषाध्यक्ष शिव शर्मा तथा लीग वन मीडिया के प्रबंध निदेशक नवीन शर्मा शामिल रहे। यह पहल केवल एक ऐतिहासिक स्मारक के पुनरुद्धार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जालंधर की सांस्कृतिक विरासत, सामूहिक स्मृतियों और गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। पुनर्जीवित क्लॉक टॉवर आज एक बार फिर शहर के नागरिकों के गर्व, सांस्कृतिक निरंतरता और विरासत संरक्षण के प्रतीक के रूप में खड़ा है।

सामाजिक कार्यकर्ता साइकिलों पर सवार होकर रोग्निवरन जीरा पहुंचे

जीरा, 16 जून (अंग्रेज बराड़) – समाज में नए रुझान लाने वाली बाबा मेहना सिंह पार्क की टीम, मोगा जिले के दौलतपुरा स्थित रोगनिवरण जीवंधरा जीरा पहुंची। इस टीम में विभिन्न क्षेत्रों की जानी–मानी हस्तियां शामिल थीं, जो सुबह साइकिल से रोगनिवरण जीवंधरा जीरा देखने आई थीं। यहां प्रसिद्ध लेखक गुरचरण सिंह नूरपुर ने इन हस्तियों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न हस्तियों ने स्वास्थ्य, हमारे रहन–सहन की स्थिति, खान–पान और पर्यावरण के विषय पर गंभीर चर्चा की। इस टीम में मोगा के दौलतपुरा के सामाजिक कार्यकर्ता श्री बूटा सिंह, बाबा अजमेर सिंह, बलराज सिंह राज, जगरूप सिंह बाथ, नरिंदर पाल सिंह उप्पल, एसडीओ गुरदेव सिंह, गुरदयाल सिंह, अमरजीत सिंह बिट्टू, सूबेदार सतपाल सत्ती, रमेश कुमार आदि उपस्थित थे। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि हम जिस तरह के वातावरण, खान–पान, पेय और रहन–सहन की स्थिति में होते जा रहे हैं, उसमें मन की शांति और शरीर के स्वास्थ्य के लिए व्यायाम की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि जीरा की रोगनिरोधक जीवनशैली एक अनूठी पहल है, जो साहित्य, ज्ञान, पर्यावरण, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सराहनीय भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर गुरचरण सिंह नूरपुर ने कहा कि हमारा वर्तमान युग मानसिक अशांति, कड़वाहट और संकटों का युग है। रोग निवारण जीवन धारा का उद्देश्य आम लोगों को बहुत कम खर्च में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही यहां सामाजिक और घरेलू समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श भी दिया जाता है और प्रत्येक रविवार को ध्यान का आयोजन किया जाता है।

जालंधर दूरदर्शन वातावरण जागरूकता व संरक्षण पर दर्शकों के लिए विशेष प्रोग्राम बनाएगा : गुरविंदर सिंह नरूला

» प्रथम न्यूज । जालंधर
16 जून (शैली अल्बर्ट)

बहुउद्देशीय स्वयं सेवी संस्थान दिशादीप के संस्थापक व चीफ़ लायन एस एम सिंह व स्त्री विंग की अध्यक्ष सरबजीत कौर ने डी डी पंजाबी के डायरेक्टर व प्रोग्राम हेड गुरविंदर सिंह नरूला के जालंधर दूरदर्शन के अपने ओहदे पर पदभार संभालने पर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते हुए माँग की जालंधर दूरदर्शन अपने उच्चकोटि के शिक्षा, समाचारों, मनोरंजन तथा अन्य विविध प्रोग्राम दर्शकों के लिया पेश करने के लिए प्रसिद्ध है, को अपने प्रोग्रामों में ग्लोबल वार्मिंग में संतुलन बनाने व इसे न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए अपने दर्शकों के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देने तथा उनके संरक्षण के लिए जागृत करने हेतु पहले से और ज्यादा प्रोग्राम प्रस्तुत करने के लिए निवेदन तथा बढ़िया प्रोग्राम पेश करने पर धन्यवाद किया। गुरविंदर सिंह नरूला ने इस निवेदन का त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रोग्राम

एग्जीक्यूटिव सुखविंदर सिंह को प्रधानमंत्री जी के एक पेड़ मां के नाम , वातावरण के प्रोग्राम के संबंध में विशेष प्रोग्राम बनाने के लिए कहा है।

लायन दिशादीप द्वारा इस वर्षा ऋतु में अपनी वृक्षारोपण में हर घर में एक फलदार पेड़ पर टीम दिशादीप के प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी साझा की। गुरविंदर सिंह नरूला के जालंधर दूरदर्शन में अपने ओहदे पर पदभार संभालने पर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते हुए माँग की जालंधर दूरदर्शन अपने उच्चकोटि के शिक्षा, समाचारों, मनोरंजन तथा अन्य विविध प्रोग्राम दर्शकों के लिया पेश करने के लिए प्रसिद्ध है को अपने प्रोग्रामों में ग्लोबल वार्मिंग में संतुलन बनाने व इसे न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए अपने दर्शकों के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देने तथा उनके संरक्षण के लिए जागृत करने हेतु पहले से और ज्यादा प्रोग्राम प्रस्तुत करने के लिए निवेदन तथा बढ़िया प्रोग्राम पेश करने पर धन्यवाद किया। गुरविंदर सिंह नरूला ने इस निवेदन का त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव सुखविंदर सिंह को प्रधानमंत्री जी के एक पेड़ मां के नाम , वातावरण के प्रोग्राम के संबंध में प्रोग्राम बनाने के लिए कहा है। लायन ने टीम दिशादीप द्वारा इस वर्षा ऋतु में प्रत्येक घर के आंगन में एक फलदार पेड़ लगाने की गत 5 वर्षों से अपने प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी साझा की।

जीरा विकास परिषद के सदस्य का जन्मदिन ठंडे पानी, आइसक्रीम और कुल्फी के लंगर के साथ मनाया गया

जीरा, 16 जून (अंग्रेजी बराड़) – संग्रां के पवित्र दिन जीरा विकास परिषद के सदस्य दर्शन सिंह मिगलानी का जन्मदिन शेरां वाला चौक जीरा के पास संगठन के संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज और चरणप्रीत सिंह सोनू प्रधान के नेतृत्व में राहगीरों के लिए ठंडे पानी, आइसक्रीम और कुल्फी के लंगर के आयोजन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दर्शन सिंह मिगलानी का जन्मदिन मनाने के लिए केक भी काटा और सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडे पानी के साथ कुल्फी और आइसक्रीम भी वितरित की गई। इस अवसर पर महासचिव जगदेव शर्मा, कैशियर पुष्पेंद्र सिंह हैप्पी, सहायक कैशियर गुरबख्श सिंह विज और अध्यक्ष तरसेम लाल जुनेजा ने कहा कि ऐसे शुभ अवसरों को एक साथ मनाने से आपसी भाईचारा बढ़ता है और खुशियां दोगुनी या चौगुनी हो जाती हैं। इस अवसर पर संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज और चरणप्रीत सिंह सोनू अध्यक्ष, जगदेव शर्मा महासचिव, पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कैशियर, राम प्रकाश सेवानिवृत्त एसपी, रिपन अरोड़ा सलाहकार, नरिंदर कुमार नारंग, बंटी गुलाटी, सुरिंदर कुमार शर्मा जेई, रमेश चंदर फार्मासिस्ट, राजनदीप सिंह राजू, विजय बारिया, प्रितपाल सिंह लाडी, जसपाल सिंह, सुखविंदर सिंह बठला और अनहद सिंह वाधवा आदि उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

BDC अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव से पहले बवाल

नवनिर्वाचित सदस्य पर दबाव डालने का आरोप, FIR दर्ज

कांगड़ा (ब्यूरो)– हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के उपमंडल फतेहपुर में बीडीसी अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले एक बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। यहां की एक नवनिर्वाचित महिला बीडीसी सदस्य ने दो लोगों पर मतदान को प्रभावित करने के लिए दबाव बनाने, धमकाने और घर में घुसकर अभद्र व्यवहार करने के संगीन आरोप लगाए हैं। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, फतेहपुर पुलिस थाने में भटोली पकवां क्षेत्र से नवनिर्वाचित बीडीसी सदस्य अनु बाला ने यह लिखित शिकायत दर्ज करवाई है।शिकायत में नरनूह निवासी हरप्रीत संधू (पूर्व अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा फतेहपुर मंडल एवं वर्तमान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) और रैहन निवासी नवजोत (युवा मोर्चा कार्यकर्ता) को नामजद किया गया है। अनु बाला का आरोप है कि 12 जून की शाम को उक्त दोनों नेता उनके घर पहुंचे। उन्होंने अनु बाला पर आगामी पंचायत समिति चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में ही मतदान करने का दबाव बनाया, लेकिन महिला ने स्वतंत्र रूप से मतदान करने की बात कही, तो दोनों नेता कथित रूप से भड़क गए।

जांच में जुटी पुलिस – एफआईआर के मुताबिक, महिला सदस्य द्वारा स्वतंत्र रूप से मतदान करने की बात कहने पर माहौल पूरी तरह बिगड़ गया। आरोप है कि दोनों नेताओं ने महिला को धमकियां दीं। इसके बाद मौके पर कुछ अन्य लोग भी जमा हो गए

बिलासपुर में शुरू हुआ जनगणना 2027 का प्रथम चरण, प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी करेंगे एकत्र– डीसी

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत जिला बिलासपुर में आज से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य आरंभ कर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण चरण 16 जून से 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके दौरान प्रगणक घर–घर जाकर निर्धारित जानकारी एकत्र करेंगे। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वगणना की अवधि 15 जून को समाप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है। प्रगणक जानकारी एकत्र करने के लिए एचएलओ मोबाइल ऐप का उपयोग करेंगे। जिन नागरिकों ने 1 जून से 15 जून 2026 के दौरान ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वगणना पूरी की है, उन्हें अपनी स्वगणना आईडी प्रगणकों को उपलब्ध करवानी होगी।

राहुल कुमार ने बताया कि प्रदेशभर में 80,486 लोगों ने स्वगणना की, जिनमें से 71,414 लोगों ने प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया, जबकि 9,072 लोगों ने स्वगणना शुरू की लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाए। जिला बिलासपुर में 5,668 लोगों ने स्वगणना प्रक्रिया में भाग लिया, जिनमें से 5,059 लोगों ने इसे पूर्ण किया, जबकि 609 लोगों की प्रक्रिया अधूरी रही।

उपायुक्त ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण के दौरान प्रगणक 33 आधिकारिक प्रश्नों के माध्यम से मकान, परिवार, पेयजल, बिजली, शौचालय, खाद्यान्न तथा घरेलू सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र करेंगे। यह आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राहुल कुमार ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा एवं विश्वास बनाए रखने के लिए घर–घर आने वाले प्रगणकों और जनगणना कर्मियों के पहचान पत्रों पर क्यूआर कोड अंकित किए गए हैं। आम नागरिक क्यूआर कोड को स्कैन कर संबंधित कर्मचारी की पहचान सत्यापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के दौरान केवल अधिकृत कर्मचारी ही जानकारी एकत्र करेंगे।

उपायुक्त ने नागरिकों से जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग करने तथा प्रगणकों को सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध करवाने की अपील की। उन्होंने लोगों को किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि जनगणना के दौरान किसी भी नागरिक से बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, एटीएम विवरण अथवा अन्य वित्तीय दस्तावेज नहीं मांगे जाते हैं। यदि कोई व्यक्ति ऐसी जानकारी मांगता है तो उस पर विश्वास न करें और इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

उन्होंने बताया कि जनगणना से संबंधित किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी अथवा सहायता के लिए नागरिक हेल्पलाइन नंबर 1855 पर संपर्क कर सकते हैं।

उपायुक्त ने जिला के सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान करते हुए कहा कि सटीक और विश्वसनीय आंकड़े ही भविष्य की विकास योजनाओं को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

हिमाचल के 1.22 लाख अति गरीब परिवारों को मिलेगा बड़ा सहारा

मुख्यमंत्री सुख परिवार योजना से जोड़ने की तैयारी, आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में आर्थिक रूप से सबसे कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए राज्य सरकार बड़ी पहल की तैयारी में है। नए बीपीएल सर्वेक्षण के सात चरणों में चयनित करीब 1.22 लाख अति गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री सुख परिवार योजना से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य केवल राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि इन परिवारों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और गरीबी से ऊपर उठ सकें।

योजना के तहत चयनित परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का एकीकृत लाभ उपलब्ध करवाने की योजना है, इनमें जिन परिवारों के पास अभी तक पक्का मकान नहीं है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने पर विचार हो रहा है।

इसके लिए पूरा डाटा एकत्रित किया जाएगा कि आखिर कितने परिवार कच्चे मकानों में रह रहे हैं।

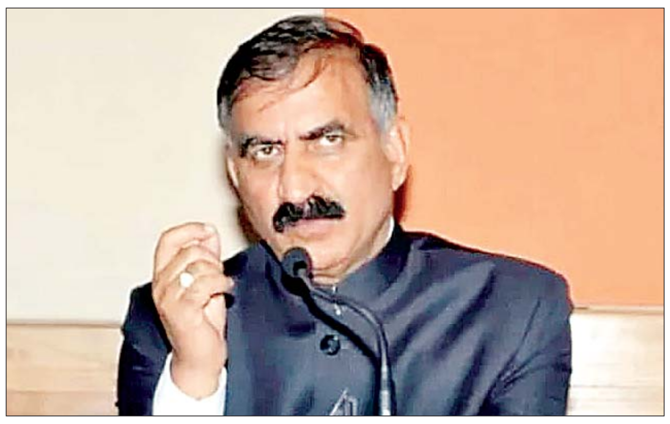

महिलाओं को 1500 रुपये

मुख्यमंत्री ने अपने चौथे बजट में एक लाख गरीब परिवारों की पात्र महिलाओं को इंदिरा प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 1500 रुपये प्रतिमाह की सहायता राशि देने की घोषणा की है। ऐसे में इन पात्र परिवारों को ये लाभ मिल सकता है। इससे महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और परिवार की आय में सहयोग मिलने की उम्मीद है।

योजनाओं को एक मंच पर लाया जाएगा

राज्य के सबसे गरीब परिवारों तक योजनाओं का लाभ समग्र रूप से पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं को एक मंच पर लाना आवश्यक है। इसी सोच के तहत मुख्यमंत्री सुख परिवार योजना को गरीब परिवारों के लिए वन–स्टाप सपोर्ट सिस्टम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

परिवारों का सत्यापन और पात्रता का मिलान होगा

प्रशासनिक स्तर पर पात्र परिवारों का सत्यापन और विभिन्न योजनाओं से उनकी पात्रता का मिलान किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से लाभ प्रदान करने पर विचार हो रहा है। इस पहल से हजारों परिवारों के जीवन में सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक असमानता कम करने में मदद मिलेगी।

प्यारी बहना योजना के नियम सख्त, 18 से 20 वर्ष की युवतियां हुईं अपात्र

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 जून (एएम नाथ)

हिमाचल सरकार ने बदले पात्रता मानदंड, अब सीमित दायरे में मिलेगा 1500 मानदेय

हिमाचल प्रदेश सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख–सम्मान निधि योजना के पात्रता मानदंडों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। सरकार द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग की युवतियां इस योजना के तहत मिलने वाली मासिक वित्तीय सहायता के लिए पात्र नहीं होंगी।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनके सामाजिक–आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। सरकार का कहना है कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, बजटीय प्रबंधन और वास्तविक जरूरतमंद महिलाओं तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पात्रता नियमों की समय–समय पर समीक्षा की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत आयु सीमा और अन्य शर्तों में संशोधन किया गया है। नए नियम लागू होने के बाद केवल वही महिलाएं योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित संशोधित आयु सीमा तथा अन्य पात्रता मानकों को पूरा करती हों।

इस निर्णय के बाद राज्य की बड़ी संख्या में 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग की युवतियां योजना के दायरे से बाहर हो जाएंगी। हालांकि सरकार का मानना है कि संशोधित व्यवस्था से योजना का लाभ अधिक लक्षित और पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सकेगा।

सरकार की ओर से संबंधित विभागों को नए नियमों के अनुसार लाभार्थियों का सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कांग्रेस विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं रही : सुधांशु त्रिवेदी

कहा, मुस्लिम लीग और माओवादी सोच के प्रभाव में कांग्रेस, मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम काल : त्रिवेदी

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
16 जून (एएम नाथ)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण के स्वर्णिम काल के रूप में याद किए जाएंगे। धर्मशाला में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि इन वर्षों में देश ने अभूतपूर्व और ऐतिहासिक बदलाव देखे हैं तथा विकास और गरीब कल्याण को एक साथ आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के घर, 50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य बीमा और 10 करोड़ से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं।

उन्होंने कहा कि देश में 90 से अधिक नए हवाई अड्डे और 140 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत की गई, जबकि सड़क और एक्सप्रेसवे नेटवर्क का भी तेजी से विस्तार हुआ है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि वह विपक्ष में बैठने के योग्य भी नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी मूल विचारधारा से भटक चुकी है और उस पर मुस्लिम लीग तथा माओवादी सोच का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से केवल आरोप लगाने के बजाय काम करके दिखाने की बात कही।

हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में रेलवे विकास के लिए 2,911 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उन्होंने बताया कि मानसून से क्षतिग्रस्त हुई कांगड़ा वैली रेलवे के पुनर्स्थापन और आधुनिकीकरण का कार्य पूरा हो चुका है तथा पठानकोट–जोगिंदरनगर रेल लाइन के गेज परिवर्तन का सर्वेक्षण भी पूरा हो गया है।

इस दौरान उन्होंने हिमाचल के परमवीर चक्र विजेताओं के सम्मान में अंडमान–निकोबार के द्वीपों का नामकरण किए जाने का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में सांसद राजीव भारद्वाज, विधायक सुधीर शर्मा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

जन समस्याओं का समाधान तीव्रता से करें अधिकारी : रोहित ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 जून (बी.शर्मा)

जिला शिकायत निवारण समिति की बैठक बुधवार को शिमला के बचत भवन में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न उपमंडलों से आए गैर–सरकारी सदस्यों द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने इन मुद्दों पर विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान स्थिति और समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि जन शिकायत निवारण समिति जनता और प्रशासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि समिति के माध्यम से उठाए गए सामाजिक और विकासात्मक मुद्दों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जन समस्याओं के समाधान के लिए तीव्रता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 और 2025 में आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण जिला शिमला में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था।

सड़कें, पेयजल योजनाएं, मकान और अन्य बुनियादी ढांचे बुरी तरह प्रभावित हुए थे। प्रदेश सरकार द्वारा विशेष आपदा राहत पैकेज के माध्यम से प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान की गई और क्षतिग्रस्त आधारभूत ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से अब अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने के कारण प्रदेश सरकार को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैठक में ईंधन आपूर्ति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विश्व स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित होने से हिमाचल प्रदेश के बागबानी क्षेत्र और सड़क निर्माण कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

रामपुर, कुमारसैन और चौपाल उपमंडलों से संबंधित अनेक समस्याएं बैठक में रखी गईं। रामपुर क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने एचआरटीसी बस सेवाओं की खराब स्थिति, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट, अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी, जर्जर सड़कों की मरम्मत तथा सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों को भरने की मांग उठाई। वहीं सराहन, बोंडा और शाहधार क्षेत्रों में भालुओं के बढ़ते आतंक से किसानों को हो रही परेशानियों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

कुमारसैन क्षेत्र में संपर्क मार्गों के निर्माण और मरम्मत से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई, जबकि चौपाल क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने लंबे समय से बंद पड़े बस मार्गों को पुनः शुरू करने की मांग रखी। इसके अलावा नोगली मेले के आयोजन से जुड़े भूमि और अनुमति संबंधी विषय भी समिति के समक्ष उठाए गए। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला शिकायत निवारण समिति प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, एडीएम पंकज शर्मा, एएसपी मेहर पंवर, एडीसी सचिन शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गैर–सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

शिमला पुलिस की बड़ी कार्रवाई : पंजाब से 309 ग्राम चिट्टा बरामद, अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 जून (बी.शर्मा)

शिमला पुलिस की चिट्टे के विरुद्ध कॉम्प्रिहेंसिव कार्यवाही जारी है जिसके अंतर्गत चिट्टे की सप्लाई चैंस को डिस्मेंटल किया जा रहा है इसी कड़ी में थाना सदर, शिमला में दिनांक 10 जून 2026 को अभियोग संख्या 74/2026 पंजीकृत किया गया था, जिसमें राहुल ठाकुर पुत्र जीत सिंह निवासी धर्मपुर, जिला मंडी के कब्जे से लगभग 7 द्द्व ग्राम चिट्टा (हेरोइन) तथा 23,000 नकद बरामद किए गए थे।

उक्त मामले में अन्वेषण के दौरान बैकवर्ड लिंकज की जांच को प्राथमिकता देते हुए डिजिटल साक्ष्यों, व्हाट्सएप चैट तथा वित्तीय लेन–देन का गहन विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बरामद मादक पदार्थ की आपूर्ति पंजाब के खरड़ निवासी हरप्रीत उर्फ हैरी द्वारा की गई थी, जो मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रूप से संलिप्त पाया गया।

प्राप्त साक्ष्यों एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर थाना सदर, शिमला की पुलिस टीम ने दिनांक 13 जून 2026 को खरड़, पंजाब में हरप्रीत के ठिकाने पर दबिश दी। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लगभग 309 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) तथा 61,900 नकद बरामद किए गए।

इसके उपरांत आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ हैरी पुत्र जसबीर सिंह निवासी गोल्डन एस्टेट, खरड़, पंजाब को विधि अनुसार गिरफ्तार किया गया।

अन्वेषण के दौरान यह भी प्रकाश में आया है कि आरोपी हरप्रीत उर्फ हैरी मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित गतिविधियों के लिए केवल व्हाट्सएप के माध्यम से ही संपर्क एवं संवाद करता था। चिट्टे की सप्लाई के लिए ये पैसा अपने खाते मे ना डलवाकर अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों आदि के खाते में डलवाता था और निकासी खुद ही तुरंत कर लेता था और पैसा अपने पास रखता था। इस सप्लाई चेन से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है तथा मामले में आगे की अन्वेषण जारी है। मामले में अबतक कुल 316 तरूचिट्टा बरामद किया गया है जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग 25 लाख है।

शिमला पुलिस द्वारा हेरोइन तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को और अधिक तीव्र किया गया है। वर्ष 2025 के दौरान लगभग 1 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी, जबकि वर्ष 2026 में आक्रामक एवं लक्षित कार्रवाई के परिणामस्वरूप अब तक लगभग 2.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की जा चुकी है, जो वर्ष 2025 की तुलना में लगभग ढाई गुना अधिक है।

वर्ष 2026 में अब तक शिमला पुलिस द्वारा एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत 157 मामले दर्ज किए गए हैं तथा 272 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 49 आरोपियों को बैकवर्ड लिंकज जांच के माध्यम से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र, केरल आदि राज्यों एवं क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया है, जबकि वर्ष 2025 में ऐसे केवल 7 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी।जो को 2025 की तुलना में इस साल 7 गुना ज्यादा कार्यवाही बैकवर्ड लिंकेज में की गई है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2026 में शिमला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े 38 अंतर्राज्यीय नेटवर्कों का भंडाफोड़ किया है, जबकि वर्ष 2025 में इस प्रकार की कोई महत्वपूर्ण कार्रवाई नहीं हुई थी।

उपरोक्त उपलब्धियां स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि शिमला पुलिस केवल छोटे ड्रग एडिक्ट्स और पेडलर्स तक सीमित नहीं है बल्कि मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले मूल स्त्रोतों एवं संगठित तस्करी नेटवर्कों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रही है। यह गुणवत्ता–आधारित अन्वेषण एवं सप्लाई चेन को ध्वस्त करने की रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

हमारी संस्कृति ही हमारी वास्तविक धरोहर - संजय अवस्थी

» प्रथम न्यूज । सोलन
16 जून (बी.शर्मा)

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी वास्तविक धरोहर हैं। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बखालग में बनिया देवी मेले में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे।

विधायक ने इससे पूर्व माँ वन दुर्गा मंदिर बनिया देवी में पूजा–अर्चना की और क्षेत्रवासियों के खुशहाली का कामना की।

संजय अवस्थी ने कहा कि समृद्ध देव संस्कृति का संरक्षण करना हम सभी का उत्तरदायित्व है और जन–जन के सामूहिक प्रयासों से ही संस्कृति का प्रचार–प्रसार सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि मेले हमारी संस्कृति के परिचायक हैं और मेलों एवं उत्सवों का संरक्षण युवा पीढ़ी को परम्पराओं की जानकारी प्रदान करते है। मेलों से युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से रू–ब–रू होती है।

उन्होंने कहा कि मेले व उत्सव न केवल संस्कृति व परम्पराओं को जीवित रखने के लिए आवश्यक है बल्कि आपसी भाईचारे को बढ़ाने का माध्यम भी है। इंटरनेट के इस युग में लोगों के मध्य भाईचारे बढ़ाने के लिए मेले व त्यौहारों की महत्वता और अधिक बढ़ गई है।

विधायक ने कहा कि बनिया देवी मंदिर का इतिहास लगभग 450 वर्ष पुराना है। इस प्राचीन मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर–दूर से आते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से इस क्षेत्र को विकसित किया जा सकता है। इससे जहां क्षेत्र का विकास होगा वहीं रोज़गार के अवसर भी सृजित होंगे।

उन्होंने मंदिर के सौंदर्यीकरण के प्रारंभिक कार्य के लिए 05 लाख रुपए, ज्ञासी माता देवी में ग्रिल लगाने के लिए 01 लाख रुपए, गोपाल के घर से मंझली बेड धरनो मार्ग के निर्माण के लिए 02 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने दिदू से बनिया देवी मार्ग पर मुख्य द्वार निर्माण के लिए तथा भिंडी से जाबलू मार्ग के निर्माण के लिए अनुमानित राशि के अनुरूप धनराशि उपलब्ध करवाने की घोषणा की।

उन्होंने मेला समिति को 21 हजार रुपए तथा महिला मण्डल धरनो को आवश्यकतानुसार सामान क्रय करने के लिए 11 हजार रुपए देने की घोषणा की।

विधायक ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से संबद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

खण्ड कांग्रेस समिति अर्की के अध्यक्ष सतीश कश्यप, ग्राम पंचायत बखालग के प्रधान सुरेंद्र पाठक, ग्राम पंचायत कोटली के प्रधान जय प्रकाश, ग्राम पंचायत बसंतपुर के उप प्रधान धनीराम ठाकुर, कांग्रेस पार्टी के किरपा राम, मेला समिति के अध्यक्ष पूरण चंद, उपमण्डलाधिकारी अर्की निशांत तोमर, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड अर्की के अधिशाषी अभियंता संदीप कुमार, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

संक्षिप्त न्यूज

चंडीगढ़ पार्षद प्रेमलता और CPDL डायरेक्टर अरुण वर्मा ने निभाया वादा, सेक्टर-43 में 400 KVA ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य शुरू

चंडीगढ़, (पुनीत महाजन) – सेक्टर-43 के निवासियों को लंबे समय से झेलनी पड़ रही लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली कटौती की समस्या से जल्द राहत मिलने जा रही है। क्षेत्र में निर्बाध और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आज सेक्टर-43 में 400 KVA क्षमता के नए ट्रांसफार्मर की स्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया।

यह महत्वपूर्ण कदम 11 जून 2026 को वार्ड नंबर 23 की पार्षद प्रेमलता की पहल पर आयोजित बैठक के बाद उठाया गया है। बैठक में CPDL के डायरेक्टर अरुण वर्मा, एक्सियन जसविंदर सिंह, जीएम मित्रा एवं एसडीओ सत्येंद्र सिंह ने सेक्टर-43 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) के प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र की बिजली संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की थी।

बैठक में आरडब्ल्यूए प्रधान राजेश राय, अशोक पराशर, सर्वप्रकाश शर्मा, लोकेश चोपड़ा, अवतार सिंह तथा नीतू कौशल ने क्षेत्रवासियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया था। इस दौरान CPDL डायरेक्टर अरुण वर्मा ने निवासियों को भरोसा दिलाया था कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

डायरेक्टर अरुण वर्मा ने अपने वादे को पूरा करते हुए आज नए 400 KVA ट्रांसफार्मर की स्थापना का कार्य शुरू करवा दिया, जिससे सेक्टर-43 के निवासियों में खुशी का माहौल है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि ट्रांसफार्मर के स्थापित होने के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा और लो-वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी।

सेक्टर-43 आरडब्ल्यूए ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए वार्ड पार्षद श्रीमती प्रेमलता तथा CPDL डायरेक्टर श्री अरुण वर्मा का विशेष आभार व्यक्त किया है। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का यह सकारात्मक सहयोग क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती विषय पर विभिन्न गांवों में आयोजित किया गया प्रशिक्षण शिविर

कैथल, 16 जून (कृष्ण गर्ग) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा सरकार के सफल 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाई जा रही विकास योजनाओं और उपलब्धियों के अंतर्गत मंगलवार को गांव पाई, हाबड़ी, बाबा लदाना, गुहणा, सांघन, कोटड़ा, बीर बांगड़ा, खेड़ी रायवली, वजीर नगर, चौसाला, मस्तगढ़, माजरी, थेह बनहेरा में एक दिवसीय प्राकृतिक खेती (नेचुरल फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का आयोजन उपनिदेशक कृषि एव किसान कल्याण विभाग, कैथल डॉ. रविंद्र हुड्डा के कुशल मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर में भारी संख्या में स्थानीय किसानों ने भाग लिया और प्राकृतिक खेती की बारीकियों को सीखा।

शिविर की अध्यक्षता करते हुए एसडीओ डॉ सतीश कुमार नारा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्ष में सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से लेकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई प्रकार के अनुदान और प्रोत्साहन राशियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों की लागत को कम करना और उनकी आय को दोगुना करना है। डॉ. सतीश कुमार नारा ने किसानों को रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले नुकसानों के प्रति सचेत किया। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध रसायनं के प्रयोग से हमारी धरती माता की उपजाऊ शक्ति क्षीण हो रही है और खान-पान दूषित होने से बीमारियाँ बढ़ रही हैं। इसका एकमात्र समाधान प्राकृतिक खेती है। शिविर के दौरान कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती के मुख्य स्तंभों जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत और आच्छादन (मल्चिंग) एवं कीट प्रबंधन के बारे में विस्तार से व्यावहारिक जानकारी दी गई।

बीडीपीओ कार्यालय में कलायत में लगा जन कल्याणकारी शिविर, आमजन ने उठाया लाभ

कैथल, 16 जून (कृष्ण गर्ग) केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलायत के खंड विकास एवं पंचायत विभाग के कार्यालय में मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ एसडीएम अजय हुड्डा ने किया। एसडीएम ने सबसे पहले विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया। एक-एक कर स्टॉलों पर अधिकारियों व कर्मचारियों से योजनाओं के बारे में पूर्ण फीडबैक ली।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ देने में कोई भी कोताही न बरतें, बल्कि उनके साथ अच्छा व्यवहार करते हुए स्कीम की पूर्ण जानकारी दें। यदि किसी दस्तावेजों की कमी है तो समय रहते उनसे पूरे करवाएं। एसडीएम ने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का संकल्प हम सब साथ मिलकर पूरा करेंगे। केंद्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे पैसे पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि नागरिकों को बिना किसी परेशानी के उन्हें उनके नजदीक सरकारी सेवाओं का लाभ मिले। सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में भी कोई भी नागरिक अपनी समस्या व शिकायत को संबंधित अधिकारी के समक्ष रख सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने विस अध्यक्ष के साथ विस परिसर में किया योग प्रोटोकॉल का अभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए योग प्रोटोकॉल अभ्यास हेतु पूरे प्रदेश में आयोजित किए जा रहे हैं कार्यक्रम, 21 जून को पंचकूला में आयोजित होगा योग दिवस का राज्य स्तरीय समारोह

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
16 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा परिसर में योग प्रोटोकोल का अभ्यास किया। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मुख्यमंत्री के साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल अभ्यास में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने दीप प्रज्ज्वलित कर योग प्रोटोकॉल अभ्यास सत्र का शुभारंभ किया और निर्धारित क्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किए जाने वाले सभी योग अभ्यास किए। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने योग प्रशिक्षकों के साथ सभी उपस्थितगण को योग प्रोटोकॉल के अनुसार प्रार्थना, संचलन अभ्यास, योगासन के तहत खड़े होकर, बैठकर, पेट के बल लेटकर तथा पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसन, प्राणायाम, ध्यान व शांतिपाठ का अभ्यास करवाया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग हमें मैं से हम तक की यात्रा करवाता है और यह हमें अपने आप से और समाज से जोड़ने का काम करता है। पूरा विश्व 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा लेकिन हमें समझने की जरूरत है कि हमें केवल एक दिन के लिए योग दिवस नहीं मनाना बल्कि इसे जीवन के साथ एक संकल्प की तरह जोड़ना है। हरियाणा में राज्य स्तरीय योग दिवस समारोह पंचकूला में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे नियमित रूप से अपने निकटवर्ती योग कार्यक्रमों में शिरकत करें और योग के माध्यम से मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहकर देश की प्रगति में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जब 2014 में संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से दुनिया को योग से परिचित करवाया तो पूरे विश्व ने इसका महत्व समझते हुए भारत की इस पहल का खुले दिल से स्वागत किया। इस प्राचीन पद्धति का जिक्र भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता के संदेश में किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण पूरी दुनिया योग से जुड़ी है। यह भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है। यह भारत की सनातन परंपरा को वैश्विक स्वीकृति और नमन भी है। आज पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है। हरियाणा सरकार योग के माध्यम से नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प को साकार करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। हमने अपने वादे के अनुरूप योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया है तथा स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग क्लब स्थापित किए हैं। सरकार ने हरियाणा के हर गांव में व्यायामशालाएं खोलने का लक्ष्य रखा है। अब तक 883 व्यायामशालाएं खोली जा चुकी हैं जिनमें 859 योग सहायक नियुक्त किए हैं। आयुष औषधालयों और उपस्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य केंद्रों के रूप में उन्नत किया गया है जिनमें योग इंस्ट्रक्टर नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा परिसर में योग प्रशिक्षण भी एक संदेश है कि हरियाणा का नेतृत्व और जन प्रतिनिधि योगमय जीवन जीते हैं। यह सुशासन और जनसेवा का भी आधार है। सरकार ने सभी औद्योगिक इकाइयों में प्रतिदिन योग विराम का प्रावधान भी किया है। उन्होंने कहा कि दिनभर की निरंतर भागदौड़ के बीच वे स्वयं 5 मिनट का ब्रेक लेकर योगासन करते हैं जिससे स्वयं को पुनः ऊर्जावान बनाते हैं। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने पूरी दुनिया को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने की एक समग्र जीवन पद्धति है। वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच योग का महत्व और भी बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की और आज विश्व के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 2047 तक भारत को विकसित बनाने की परिकल्पना को तभी साकार किया जा सकता है जब हर व्यक्ति स्वस्थ होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने योग को बढ़ावा देकर युवाओं को नशे की प्रवृति से दूर रखने के सार्थक प्रयास किए हैं। हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य ने बताया कि कॉमन योग प्रोटोकॉल भारत के आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित योग अभ्यासों की एक मानकीकृत और वैज्ञानिक श्रृंखला है। इसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरी दुनिया में एक साथ और एक लय में करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसका उद्देश्य हर आयु और क्षमता के लोगों को योग की मूल बातें, स्वास्थ्य लाभ और मानसिक शांति के संबंध में जानकारी उपलब्ध करवाना है। इस प्रोटोकॉल में विभिन्न चरणों को एक व्यवस्थित क्रम में रखा गया है ताकि मन व शरीर को धीरे-धीरे तैयार किया जा सके।

इस अवसर पर विधानसभा के मुख्य सचेतक श्री रामकुमार कश्यप, विधायक श्री रणधीर सिंह पनिहार, श्री कंवर सिंह यादव, योग आयोग के उपाध्यक्ष रोशन लाल सहित विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के 12 वर्ष सेवा सुशासन और जन कल्याण को समर्पित : जयभगवान शर्मा डीडी

सरकार की 12 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धि से आमजन को मिल रहे लाभकारी योजनाएं से लाभ

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
16 जून (मुकेश डोलिया)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पिहोवा बीडीपीओ कार्यालय में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा वरिष्ठ नेता जय भगवान डीडी शर्मा ने किया। इस दौरान सरकार द्वारा 12 साल में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास सुशासन सुरक्षा जनकल्याण के क्षेत्र में भूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किया है। आज गरीब, किसान, महिला, युवाओं, मजदूर, व्यापारी वर्ग के लिए अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को ही नहीं बल्कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का स्पष्ट रोड मैप भी तैयार किया है। उनकी दूरदर्शी सोच के कारण भारत वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है जयभगवान शर्मा डीडी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना ही इस जन संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, उज्ज्वला योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं में करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की की जो सरकार द्वारा संचालित योजना की जानकारी प्राप्त कर उन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं इस अवसर पर क्रीड़, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बिजली वितरण निगम, जिला नागरिक संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क भाषा विभाग, मार्केट कमेटी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान विभाग, रोजगार कार्यालय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ प्राथमिकता के आधार पर पहुंचना सुनिश्चित करें तथा आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाए।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ उठा सके। इस अवसर पर पिहोवा बीडीपीओ विवेक कुमार, बीडीपीओ इस्माईलाबाद अंकित पूनिया, सीएमओ मनिषा सिंह, उप मंडल कृषि अधिकारी मनीष वत्स, भाजपा कार्यकर्ता राकेश पुरोहित, मंडल अध्यक्ष सुखबीर सिंह, नौमीनेट सदस्य सुखबीर सैनी सहित विभिन्न गांव के सरपंच व पांच और विभिन्न विभागों के अधिकार एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चंडीगढ़ सेक्टर-26 मंडी में अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का पीला पंजा, अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
16 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ प्रशासन ने आज सेक्टर-26 स्थित फल एवं सब्जी मंडी में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। प्रशासन की इस कार्रवाई के दौरान मंडी क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध निर्माणों एवं कब्जों को हटाया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रशासन की टीम ने पूरे अभियान को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न किया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि एवं सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था और आम लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। प्रशासन की कार्रवाई से व्यवस्था में सुधार आने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने सभी दुकानदारों एवं संबंधित लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें तथा सार्वजनिक स्थलों पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा न करें, अन्यथा उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गांव इटावा एवं सेक्टर-42 की जर्जर सड़कों को लेकर पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर एवं पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने किया प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
16 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ नगर निगम के पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर एवं पार्षद जसबीर सिंह बंटी ने आज गांव इटावा के बाहर स्थित मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय दुकानदारों एवं क्षेत्रवासियों के साथ धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम प्रशासन से सड़क के शीघ्र निर्माण की मांग उठाई और सड़क की हालत पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि यदि चंडीगढ़ प्रशासन अपने अधीन आने वाली सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य नियमित रूप से करवा सकता है तथा उसके लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है, तो नगर निगम के अधीन आने वाली सड़कों के लिए धनराशि और संसाधनों की कमी का बहाना क्यों बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के लोग जानना चाहते हैं कि नगर निगम को आखिर सड़कों के निर्माण के लिए पर्याप्त फंड क्यों उपलब्ध नहीं हो पा रहा।

उन्होंने कहा कि गांव इटावा एवं सेक्टर-42 की कई सड़कें लंबे समय से जर्जर हालत में हैं, जिसके कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई वाहन चालक और राहगीर चोटिल हो चुके हैं तथा कई बच्चों के गिरने से उनके हाथ-पैर तक टूट चुके हैं। इसके बावजूद नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण और मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

उन्होंने नगर निगम के महापौर एवं कमिश्नर से सवाल करते हुए कहा कि वे स्पष्ट करें कि वार्ड की इन महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण आखिर कब किया जाएगा। जब जनता नियमित रूप से हाउस टैक्स और अन्य करों का भुगतान कर रही है, तो उसे बुनियादी सुविधाओं से वंचित क्यों रखा जा रहा है।

पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहरवासियों से करोड़ों रुपये का टैक्स वसूला जाता है, लेकिन यदि सड़कों, सफाई, पार्कों और अन्य बुनियादी सुविधाओं का रखरखाव ही नहीं किया जा सकता तो लोगों में निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न स्रोतों से अनुदान और फंड मिलने के बावजूद शहर के विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं। जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि वर्तमान नगर निगम नेतृत्व विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में पूरी तरह विफल साबित हुआ है। न तो नियमित रूप से बैठकें हो पा रही हैं और न ही शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय समय पर लिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव भी नजदीक हैं और आज शहर तथा वार्ड के लोग लगातार यह सवाल पूछ रहे हैं कि विकास कार्य आखिर कब शुरू होंगे और शहर की तरक्की का रोडमैप क्या है। जनता जानना चाहती है कि गांव इटावा और सेक्टर-42 की टूटी सड़कों का निर्माण कब होगा, सफाई व्यवस्था में सुधार कब आएगा, पार्कों का रखरखाव कब बेहतर होगा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान कब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले कार्यों से साबित होता है। यदि लोगों को मूलभूत सुविधाएं ही समय पर उपलब्ध नहीं हो रही हैं, तो जनता का जवाब मांगना पूरी तरह जायज है। नगर निगम प्रशासन और वर्तमान नेतृत्व को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि शहर और वार्डों के विकास के लिए उनकी क्या योजना है तथा लंबित विकास कार्यों को पूरा करने की समयसीमा क्या है।

जसबीर सिंह बंटी ने मांग की कि गांव इटावा एवं सेक्टर-42 की जर्जर सड़कों का निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले नगर निगम चुनावों में विकास, जवाबदेही और जनसुविधाएं सबसे बड़े मुद्दे होंगे।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में दुकानदार, स्थानीय निवासी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्होंने भी सड़क निर्माण की मांग को जोरदार ढंग से उठाया।

मेयर सौरभ जोशी ने कजहेड़ी की सीवरेज समस्या पर तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

चंडीगढ़, 16 जून (पुनीत महाजन)- गांव कजहेड़ी में लंबे समय से चली आ रही सीवरेज जाम और ओवरफ्लो की समस्या को गंभीरता से लेते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने नगर निगम चंडीगढ़ के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाने तथा समस्या के स्थायी समाधान की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

यह मामला लोक भलाई समिति और स्थानीय निवासियों द्वारा क्षेत्र के पार्षद श्री लखबीर सिंह के नेतृत्व में मेयर के समक्ष उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि गांव की कई गलियों में सीवरेज लाइनें बार-बार जाम हो रही हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और स्थानीय परिवारों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। इसके अलावा गंदगी, दुर्गंध, जलभराव और सीवरेज ओवरफ्लो के कारण संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई गई।

शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए मेयर सौरभ जोशी ने संबंधित जनस्वास्थ्य (पब्लिक हेल्थ) अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नगर निगम अधिकारियों, क्षेत्रीय पार्षद और स्थानीय निवासियों की संयुक्त टीम द्वारा मौके का दौरा कर स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक उपाय तय किए जाएंगे।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि नागरिकों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगर निगम शहर की जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस मामले में भी शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रभावित सीवरेज लाइनों और ड्रेनेज प्वाइंट्स का निरीक्षण करें, बार-बार जाम होने के मूल कारणों की पहचान करें, तत्काल सफाई और मरम्मत कार्य करवाएं तथा भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करें। मेयर ने गांव कजहेड़ी के निवासियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है और क्षेत्र में स्वच्छ, स्वस्थ एवं बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

आज का

संपादकीय

मां और बच्चे का पोषण: समृद्ध समाज की पहचान

कहते हैं सही पोषण देश रोशन। जी हां, यहां यह समझाया जा रहा है कि यदि किसी देश में सही पोषण की भूमिका प्रबल होगी तभी देश मजबूत बनेगा और प्रकाशमय बनेगा। आज समाज में सही पोषण की कमी देखी जाने लगी है। नतीजन कुपोषण अपने पैर पसारने लगा है। और जहां कुपोषण अपने चरम पर होगा वहां खुशहाल जीवन भला कैसे बन सकेगा? सही पोषण से किसी भी मनुष्य का शारीरिक स्वास्थ्य निखर सकता है। परंतु न केवल शारीरिक अपितु मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य भी आजकल एक जटिल चुनौती बनकर उभर रहा है। आज के दौर में न केवल शारीरिक अपितु मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य का होना बेहद अहम माना जाता है। और यह तीनों स्वास्थ्य लाभ हमें केवल सही पोषण से ही प्राप्त होते हैं।

शिवालिक अवस्थी

यदि जीवन के शुरुआती दौर से ही कोई व्यक्ति अपने पोषण पर सही ध्यान देने लग पड़ा हो तो नि:संदेह उसे पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो जाता है। इसीलिए जीवन के शुरुआती दौर को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है क्योंकि स्वास्थ्य के प्रति जरा सी लापरवाही जीवन भर घातक सिद्ध हो सकती है। यदि हमारा स्वास्थ्य पुष्ट होगा तभी रोग रुष्ट होगा।

संभवत: हर गर्भवती महिला का एक सपना होता है कि उसका होने वाला शिशु स्वस्थ हो। जीवन का शुरुआती दौर मां के गर्भ से ही शुरू हो जाता है। इसलिए गर्भवती स्त्री को चाहिए कि स्वस्थ शिशु प्राप्त करने हेतु वह भी अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखे। पौष्टिक आहार का सेवन गर्भवती स्त्री और उसके होने वाले बच्चे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जिससे प्रारंभ में ही कुपोषण पर प्रहार किया जा सकता है। सही खान-पान की आदत से किसी भी व्यक्ति की, फिर चाहे वह गर्भवती हो या कोई शिशु, रोग प्रतिरोधक क्षमता जिसे हम इम्युनिटी भी कहते हैं, बढ़ जाती है। नतीजन बीमारियां कोसों दूर रहती हैं। किसी भी बीमारी से लड़ने में इंसान की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बहरहाल, हम क्यों आज पोषण पर चर्चा कर रहे हैं इस पर थोड़ा प्रकाश डालने का प्रयास करते हैं। दरअसल, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 8वां पोषण पखवाड़ा देशभर में मनाया गया। 15 दिन चलने वाले इस बार के पोषण पखवाड़े का विषय यानी थीम रही जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास। इसके अलावा इस बार के पोषण पखवाड़े में अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। इनमें मां और बच्चे का पोषण, 0-3 वर्ष के बच्चों के दिमाग का शुरुआती विकास, 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा, बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करना तथा आंगनवाड़ी को मजबूत बनाने हेतु समाज का सहयोग शामिल हैं। सर्वप्रथम बात करें मां और बच्चे के पोषण की। चूंकि गर्भावस्था सर्वाधिक महत्वपूर्ण समय माना गया है इसलिए इसी अवस्था के दौरान मां को अपनी और अपने होने वाले शिशु की सुरक्षा हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जागरूक किया जाता है। बच्चे के विकास के लिए पहले सुनहरे 1000 दिन अत्यंत आवश्यक माने गए हैं। यदि मां अपना ध्यान सही से रखेगी और पौष्टिक आहार का सेवन करेगी तभी होने वाले शिशु का समग्र विकास संभव हो पाएगा।

इसके उपरांत जो पहलू निकल कर सामने आता है वह है 0-3 वर्ष के बच्चों के दिमाग का शुरुआती विकास। शिशु के शुरुआती 6 वर्ष दिमाग के विकास हेतु मुख्य माने गए हैं। इसलिए शुरुआती वर्षों में शिशु की देखभाल के प्रति सजग रहना आवश्यक है। इसके बाद 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा को प्रमुखता दी गई है, जो प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) में गुणवत्ता को बढ़ावा देती है। इसके अंतर्गत सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों तक अच्छे खान-पान के साथ-साथ रचनात्मक शिक्षा पहुंचाना है। एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करना है। आज के बच्चे मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने लगे हैं। अक्सर देखा जाता है कि बिना स्क्रीन के बच्चे भोजन तक ग्रहण नहीं करते। यह हम सबका कर्तव्य बनता है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने में अपनी-अपनी भूमिका निभाएं जिससे बच्चे का संपूर्ण विकास हो सके।

अब बात आती है आंगनवाड़ी को मजबूत बनाने हेतु समाज के सहयोग की। आंगनवाड़ी केंद्रों को समाज की रीढ़ की हड्डी कहा गया है। इन्हीं केंद्रों के जरिए गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं व छह वर्ष तक के बच्चों को पूरक पोषाहार उपलब्ध करवाकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाई जाती हैं। बहरहाल, कुपोषण की जंग में न केवल महिला एवं बाल विकास विभाग अपितु अन्य सभी विभागों का सहयोग अपेक्षित है। अंतत: सरकार के प्रयास तभी सफल हो पाएंगे जब समाज का हर एक व्यक्ति कुपोषण जैसी जटिल समस्या को जड़ से मिटाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेगा।

गांव शीला चौक, डा सिद्धपुर,तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हि.प्र.

घर आए मेहमान का तिरस्कार मत कीजिये

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान रही है – अतिथि देवो भव:। मेहमान को भगवान मानने वाली इस परंपरा में तिरस्कार के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन आज की तेज रफ्तार जिंदगी में यही संस्कार सबसे पहले टूट रहा है। घर की दहलीज पर खड़े व्यक्ति को हम अब मेहमान कम, बाधा ज्यादा समझने लगे हैं।

पहले घर में मेहमान आए तो घर का माहौल बदल जाता था। बच्चे खुश होते, माँ रसोई में भागती, पिता कुर्सी छोड़कर खड़े हो जाते। पड़ोस में खबर जाती कि फलां के यहाँ मेहमान आए हैं। पूछा जाता – कहो, कैसे आना हुआ? कुछ खाया कि नहीं? रात को यहीं रुकोगे न? अब दरवाजे पर दस्तक होती है और मन में पहला ख्याल आता है – अब ये कितनी देर बैठेगा? मेरा काम रुक जाएगा।

तिरस्कार हमेशा गाली देकर नहीं होता। सबसे बड़ा तिरस्कार है उपेक्षा। फोन पर बात करते रहना, टीवी से नजर न हटाना, छोटा-छोटा जवाब देना, या फिर अभी व्यस्त हूँ कहकर टाल देना। मेहमान सामने बैठा है, लेकिन उसकी तरफ ध्यान नहीं है। उसकी बात अधूरी सुनकर सिर हिला देना। ये सब संकेत हैं कि आप उसे यहाँ नहीं चाहते। मेहमान समझ जाता है कि उसकी यहाँ कोई कद्र नहीं। वो शारीरिक रूप से आपके घर में होता है, लेकिन मानसिक रूप से दरवाजे के बाहर। और जब इंसान को लगे कि वो अवांछित है, तो वो चुपचाप निकल लेता है। फिर लौटकर नहीं आता।

इस बदलाव की वजह सीधी है – समय की कमी, निजी स्पेस का बढ़ता महत्व, और संबंधों का यूटिलिटेरियन हो जाना। हर कोई अपने काम, फोन और सोशल मीडिया में उलझा है। अचानक आया मेहमान उस फ्लो को तोड़ता है। इसलिए उसे बोझ लगने लगता है। शहरों में तो ये समस्या और गहरी है। फ्लैट में जगह कम है, रोज का रूटीन टाइट है, और मेहमान का मतलब है खाना बनाना, सफाई करना, समय देना। लोग सोचते हैं – बिना बताए क्यों आ गए? फोन करके तो आ सकते थे। लेकिन भूल जाते हैं कि पुराने जमाने में मेहमान बिना बताए ही आते थे। रिश्ते इतने मजबूत थे कि सूचना की जरूरत नहीं पड़ती थी। एक और वजह है विकल्पों का बढ़ना। पहले रिश्तेदार ही सहारा होते थे। अब होटल हैं, कैब हैं, ऑनलाइन खाना है। इसलिए मेहमान की जरूरत कम हो गई। जब जरूरत कम होती है, तो कद्र भी कम हो जाती है। ये बिल्कुल वैसा ही है जैसे हमने पहले वाले लेख में चर्चा की थी – जब विकल्प मिल जाए तो पुराने रिश्ते भुला दिए जाते हैं। मेहमान भी रिश्ते का ही हिस्सा है। और आज हम रिश्तों को सुविधा से तोलते हैं।

घर आए मेहमान का तिरस्कार करने से नुकसान दोनों का होता है। मेहमान का दिल टूटता है, और आपका संस्कार। रिश्ते एक बार ठंडे पड़ जाएँ तो दोबारा गर्म करना मुश्किल होता है। वो व्यक्ति शायद दोबारा न आए, लेकिन वो बात पूरे समाज में फैला देता है कि फलां के घर मत जाना, वहाँ इज्जत नहीं मिलती। गाँव में तो ये बात आग की तरह फैलती है। और समाज में इज्जत एक बार गई तो वापस लाना मुश्किल होता है। आप सोचते हैं कि एक मेहमान से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन रिश्ते ऐसे ही टूटते हैं – एक-एक करके।

मनोविज्ञान कहता है कि इंसान को सबसे ज्यादा चोट उपेक्षा से लगती है। गाली सुनकर भी लोग सह लेते हैं, लेकिन ये महसूस करना कि उनकी कोई वैल्यू नहीं, ये बर्दाश्त नहीं होता। मेहमान आपके घर आता है एक उम्मीद लेकर – कि यहाँ मेरा अपनापन है, यहाँ मैं खुलकर बात कर सकता हूँ। जब वो उम्मीद टूटती है, तो वो सिर्फ आपसे नहीं टूटता, उस संस्था से टूटता है जिसे हम घर कहते हैं। और एक टूटा हुआ घर धीरे-धीरे पूरे समाज को तोड़ता है।

अब सवाल ये है कि अगर सच में समय नहीं है तो क्या करें? झूठा दिखावा करने की जरूरत नहीं। सीधा कह दीजिए – भाई, आज थोड़ा जरूरी काम है, 10 मिनट में फ्री हो जाऊँगा, तब तक चाय पी लो। ये एक लाइन मेहमान को ये एहसास दिला देती है कि आपने उसे इग्नोर नहीं किया, बस वक्त कम है। इज्जत शब्दों से नहीं, इरादे से बनती है। समस्या तब होती है जब हम न समय देते हैं, न साफ मना करते हैं। लटके रखते हैं। वही सबसे ज्यादा तकलीफ देता है। पुराने लोग कहते थे – मेहमान तीन दिन तक मेहमान रहता है। पहले दिन राजा, दूसरे दिन देवता, तीसरे दिन बोझ। बात मजाक में कही जाती थी, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि दूसरे दिन से तिरस्कार शुरू कर दो। मतलब ये है कि मेहमानदारी में संतुलन रखो। ज्यादा लाड़ से वो शरमाए, कम लाड़ से वो टूटे। मर्यादा में रहकर सत्कार करो। तीन दिन बाद भी अगर वो रुकना चाहे, तो प्यार से कहो कि भाई, अब घर के काम हैं, अगली बार ज्यादा रुकना। ये भी तिरस्कार नहीं, स्पष्टता है।

शास्त्रों में लिखा है कि मेहमान नारायण होता है। इसका मतलब ये नहीं कि वो जो चाहे करे। मतलब ये है कि उसके आने पर आपके घर की ऊर्जा बदले। उसकी सेवा में आपका अहंकार टूटे। क्योंकि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं। महाभारत में कृष्ण ने खुद द्रौपदी के मेहमान सुदामा के पैर धोए थे। सुदामा कोई राजा नहीं थे, गरीब ब्राह्मण थे। लेकिन कृष्ण ने फर्क नहीं किया। क्योंकि मेहमान का दर्जा उसके पद से नहीं, उसके आने से तय होता है।

आज जब रिश्ते WhatsApp के मैसेज तक सिमट गए हैं, तब आमने-सामने बैठकर बात करना और चाय पिलाना बड़ी बात हो गई है। स्क्रीन पर हम हजारों लोगों से जुड़े हैं, लेकिन असली लोगों के लिए हमारे पास वक्त नहीं। ये विडंबना है। हम डिजिटल दुनिया में अतिथि सत्कार के बड़े-बड़े पोस्ट शेयर करते हैं, लेकिन जब असली मेहमान आता है तो उसे नजरअंदाज कर देते हैं।

मेहमानदारी में पैसा जरूरी नहीं है। सबसे बड़ी चीज है सम्मान। आप चाहें तो बिना कुछ खिलाए भी मेहमान को खुश कर सकते हैं। बस उसे बैठाइए, पानी पूछिए, उसकी बात सुनिए। कई बार लोग सिर्फ बात करने आते हैं। अकेलेपन से परेशान होते हैं। आपके दो मिनट की बात उन्हें हफ्ते भर की ताकत दे जाती है। लेकिन हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि ये दो मिनट भी नहीं दे पाते।

एक और बात ध्यान रखने की है – बच्चों के सामने मेहमान का तिरस्कार न करें। बच्चा वही सीखता है जो वो देखता है। अगर आप आज अपने चाचा को अनदेखा करेंगे, तो कल आपका बच्चा आपको अनदेखा करेगा। संस्कार किताबों से नहीं, घर के माहौल से बनते हैं। घर में अगर मेहमान का सम्मान होगा, तो बच्चा भी सीखेगा कि रिश्ते की कद्र कैसे करनी है।

कई बार लोग कहते हैं कि कुछ मेहमान तो फायदा उठाते हैं। हाँ, ऐसे लोग होते हैं। लेकिन 10 गलत लोगों के लिए आप 1 सही इंसान को भी ठुकरा नहीं सकते। और अगर लगे कि कोई गलत नीयत से आ रहा है, तो भी तरीके से मना करें। कठोरता और स्पष्टता में फर्क है। कठोरता में अपमान होता है, स्पष्टता में मर्यादा।

पत्रकारिता में रहते हुए मैंने देखा है कि सबसे मजबूत नेटवर्क उन्हीं लोगों का होता है जिन्होंने रिश्तों की कद्र की है। जब आप किसी के घर जाते हैं और वो आपको इज्जत देता है, तो वो बात याद रहती है। कल को वही इंसान आपके काम आएगा। दुनिया गोल है। आज आप मेजबान हैं, कल मेहमान बनेंगे। जो व्यवहार आप आज करेंगे, वही कल आपको मिलेगा। इसलिए घर आए मेहमान का तिरस्कार मत कीजिये। एक गिलास पानी, एक मुस्कान और दो मिनट की बात – बस इतना ही काफी है इज्जत बचाने के लिए। अगर रुकने की जगह है और मन है, तो उसे रोकिए भी। रात को यहीं खाना खाओ – ये एक वाक्य रिश्ते को सालों तक जिंदा रखता है। आखिर में एक बात। घर की पहचान सिर्फ उसकी दीवारों से नहीं होती, उसमें रहने वाले लोगों के व्यवहार से होती है। जिस घर में मेहमान को इज्जत मिलती है, वो घर कभी खाली नहीं होता। वहाँ रिश्ते आते रहते हैं, लोग आते रहते हैं, बरकत आती रहती है। और जिस घर में मेहमान का तिरस्कार होता है, वो घर धीरे-धीरे वीरान हो जाता है। चाहे उसमें कितनी भी दौलत क्यों न हो।

संस्कृति बचानी है तो छोटे-छोटे संस्कार बचाने होंगे। और मेहमान का सम्मान उससे छोटा कोई संस्कार नहीं।

अतिथि देवो भव:। इसे सिर्फ नारा मत बनाइए, निभाइए भी।

जनगणना 2027 : देश की पहचान, सबकी भागीदारी

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने आगामी जनगणना 2027 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। अपनी विशिष्ट रेत कला के माध्यम से, वह नागरिकों को जनगणना में भागीदारी के महत्व और सटीक आंकड़ा संग्रह के प्रति जागरूक करेंगे।

यह देश की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना होगी, जो इतिहास में पहली बार पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से आयोजित की जा रही है। भारत की 2027 जनगणना , या 16वीं भारतीय जनगणना , दो चरणों में आयोजित की जा रही है-हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना, जो 1 अप्रैल 2026 को शुरू हुई और सितंबर 2026 तक जारी रहेगी, इसके बाद जनसंख्या गणना चरण फरवरी 2027 के लिए निर्धारित है। ये स्वतंत्र भारत की आठवीं जनगणना है। आधिकारिक शुभंकर/प्रतीक- प्रगति और विकास नामक शुभंकर जनगणना 2027 के जनसंचार प्रतीकों के रूप में कार्य करेंगे, जो नागरिकों के अनुकूल तरीके से जनगणना के बारे में जानकारी प्रसारित करने में मदद करेंगे।

जनगणना 2027 का मुख्य नारा है जन भागीदारी से जन कल्याण।

1931 की जनगणना (J. H. Hutton द्वारा की गई) ब्रिटिश भारत में आखिरी पूर्ण जाति-आधारित जनगणना थी। इसके बाद से भारत में कभी भी केंद्रीय स्तर पर सार्वजनिक जातिगत जनगणना नहीं हुई थी, हालांकि सरकार ने जनगणना 2027 में जाति की गणना करने का ऐतिहासिक फैसला किया है।

भारत में पहली जनगणना वर्ष 1872 में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड मेयो के शासनकाल में आयोजित की गई थी। 1881 में लॉर्ड रिपन के समय से भारत में हर 10 साल में नियमित और पूर्ण जनगणना की शुरुआत हुई थी।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास

जनगणना भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची से संबंधित है।सातवीं अनुसूची के अंतर्गत जनगणना को संघ सूची के क्रम संख्या 69 में रखा गया है।

इसका अर्थ यह है कि केवल भारत की संसद (केंद्र सरकार) को ही जनगणना कराने और इससे जुड़े कानून बनाने का अनन्य अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा, यह संविधान के अनुच्छेद 246 के अंतर्गत आती है।

जनगणना 2027 भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसके सफल कार्यान्वयन के लिए सरकार ने अभी से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

भारत में जनगणना केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा संचालित की जाती है। गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्यरत भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त का कार्यालय इस पूरी प्रक्रिया का आयोजन करता है।

यह ढांचा व्यक्तिगत जानकारी की सख्त गोपनीयता भी सुनिश्चित करता है। अधिनियम की धारा 15 के अनुसार, नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे न तो सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत साझा किया जा सकता है, न ही न्यायालय में साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

सरकार ने 16 जून 2025 को भारत के राजपत्र में जनगणना 2027 आयोजित करने की अधिसूचना जारी की, और इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ?11,718.24 करोड़ के बजट को मंजूरी दी है।

यह जनगणना तेज, सटीक और सुरक्षित डेटा उपलब्ध कराने के साथ-साथ जन-भागीदारी को बढ़ावा देगी, जिससे भविष्य की नीतियों और योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

आधुनिक कल्याणकारी राज्य, सामाजिक कल्याण और इस्लाम

सुरिन्दर पाल चौहान
चंडीगढ़

एक इंसाफ़ और इंसानी समाज बनाने के लिए सोशल प्रोटेक्शन और लोगों की भलाई सबसे ज़रूरी उसूलों में से हैं। कोई भी देश या कम्युनिटी इन उसूलों को अपनाए बिना तरक्की नहीं कर सकती। इस्लाम गरीबी हटाने और सोशल मदद को सिर्फ़ दान का काम नहीं मानता; बल्कि, ये लोगों और सरकार दोनों की नैतिक और सोशल ज़िम्मेदारियाँ हैं। आज की दुनिया में, भारत जैसे डेमोक्रेटिक देशों ने गरीबी कम करने, खाने की सुरक्षा पक्की करने, हेल्थकेयर को बेहतर बनाने और पढ़ाई और रोज़गार के मौके बढ़ाने के मकसद से कई भलाई की स्कीमें शुरू की हैं। उन नौजवानों को जो कम्युनिटी की हालत को लेकर परेशान हैं, उन्हें बांटने वाले और फिरकापरस्त लोगों के एजेंडे का शिकार होकर अपनी एनर्जी बर्बाद नहीं करनी चाहिए। इसके बजाय, उन्हें गरीबी, बेरोज़गारी, अनपढ़ता से लड़ने की कोशिशों में एक्टिव रूप से हिस्सा लेना चाहिए और सरकारों, ऑर्गनाइज़ेशन और लोगों की कोशिशों को सपोर्ट करना चाहिए। खुली इकॉनमी के इस ज़माने में, कंस्ट्रक्टिव कामों के बहुत सारे मौके हैं। लोगों को सरकारी भलाई की स्कीमों तक पहुँचने में मदद करना और उनकी जानकारी बढ़ाना भी एक ज़रूरी ज़िम्मेदारी है। अगर हम चाहते हैं कि हमारी कम्युनिटी तरक्की करे और मज़बूत और खुशहाल बने, तो हमें पढ़ाई और रोज़गार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। हमें यह भी समझना होगा कि वेलफेयर प्रोग्राम की सफलता, चाहे वे सरकारी हों या प्राइवेट, सिर्फ़ पॉलिसी बनाने और प्लानिंग पर ही नहीं, बल्कि लोगों की पहुँच, जागरूकता, एडमिनिस्ट्रेटिव एफिशिएंसी और अकाउंटेबिलिटी पर भी निर्भर करती है। असल में, डेमोक्रेसी खुद एक कॉम्पिटिशन का मैदान है जिसमें हर व्यक्ति को अपना सही हिस्सा पाने की कोशिश करनी चाहिए। इस्लाम आपसी सहयोग पर आधारित समाज का एक नज़रिया पेश करता है, जहाँ ताकतवर लोग कमज़ोरों की मदद करते हैं और अमीर लोग गरीबों की मदद करते हैं। इस्लाम में भलाई का मतलब है गरीबों, विधवाओं, अनाथों, यात्रियों, मज़दूरों, बुज़ुर्गों और समाज के सभी कमज़ोर तबकों की देखभाल। मदीना का संविधान, जिसे पैगंबर मुहम्मद ने 622 ईस्वी में मदीना में आने के बाद बनाया था, कई इतिहासकारों और विद्वानों द्वारा दुनिया का पहला लिखा हुआ सामाजिक और राजनीतिक संविधान माना जाता है। चार्टर ने कई बुनियादी सिद्धांत तय किए

1. नागरिकों की समानता : धार्मिक और कबीलाई मतभेदों के बावजूद, चार्टर ने मदीना में रहने वाले सभी ग्रुप्स को एक ही पॉलिटिकल कम्युनिटी के मेंबर के तौर पर मान्यता दी। इसने बराबर नागरिक सम्मान, माइनॉरिटीज़ की सुरक्षा, शेयर्ड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, और कबीलाई प्रिविलेज के बजाय कानून के राज की नींव रखी। ये किसी भी वेलफेयर स्टेट के लिए ज़रूरी शर्तें हैं।

2. सामूहिक सुरक्षा और पारस्परिक सहायता : चार्टर में कमज़ोर लोगों की सुरक्षा, दबे-कुचले लोगों को सपोर्ट और समुदायों के बीच आपसी फाइनेंशियल और सोशल मदद पर ज़ोर दिया गया था। राज्य अब सिर्फ़ शासकों के अधिकार का ज़रिया नहीं रहा; यह लोगों की भलाई के लिए ज़िम्मेदार बन गया।

3. शासन का आधार न्याय

चार्टर ने ज़ुल्म को खारिज किया और कहा कि झगड़ों को न्याय और कानून के ज़रिए सुलझाया जाना चाहिए।

मॉडर्न वेलफेयर देश इन तरीकों से ऐसे ही मकसद पूरे करते हैं

i) सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम
ii) सार्वजनिक सहायता
iii) सब्सिडी
iv) पुनर्वास और विकास योजनाएँ

भारत जैसे मॉडर्न डेमोक्रेसी में, वेलफेयर स्कीम लोगों की ज़िंदगी को बेहतर बनाने के लिए बनाई जाती हैं, जैसे सब्सिडी, डायरेक्ट फाइनेंशियल मदद, रोज़गार की गारंटी, हेल्थकेयर से जुड़ी पहल, फूड डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, हाउसिंग सपोर्ट और एजुकेशनल प्रोग्राम। गांव में रोज़गार, पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, स्कॉलरशिप, हेल्थ इंश्योरेंस और महिला एम्पावरमेंट से जुड़ी स्कीमें पिछड़े समुदायों को ऊपर उठाने की कोशिश करती हैं। हालांकि, वेलफेयर प्रोग्राम का असर ज़्यादातर तीन बातों पर निर्भर करता है

i) पहुंच
ii) जागरूकता
iii) प्रभावशीलता

वेलफेयर गवर्नेंस में एक बड़ी चुनौती सभी नागरिकों के लिए बराबर और आसान पहुँच पक्का करना है। भारत जैसे बड़े और अलग-अलग तरह के देश में, गाँव के इलाकों, शहरी झुग्गियों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले कई गरीब परिवार सरकारी फ़ायदे पाने के लिए संघर्ष करते हैं। इस्लामी नैतिकता सबको साथ लेकर चलने और बराबर बर्ताव पर ज़ोर देती है। इसी तरह, एक डेमोक्रेटिक वेलफेयर सिस्टम को यह पक्का करना चाहिए कि हर नागरिक, चाहे उसका धर्म, जाति, भाषा, जेंडर या सोशल बैकग्राउंड कुछ भी हो, बिना किसी बेइज्जती या बेवजह की मुश्किल के पब्लिक वेलफेयर का फ़ायदा उठा सके। डिजिटल गवर्नेंस और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम ने कई मामलों में ट्रांसपेरेंसी और एफिशिएंसी में सुधार किया है। फिर भी, खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, टेक्नोलॉजी की कमी और ब्यूरोक्रेटिक मुश्किलों की वजह से चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इसलिए वेलफेयर सिस्टम को प्रोसेस पर आधारित होने के बजाय लोगों पर केंद्रित रहना चाहिए। पढ़े-लिखे युवा ज़रूरतमंदों की मदद करके एक अहम भूमिका निभा सकते हैं।

दस्तावेज़ीकरण और जागरूकता चुनौतियाँ

पिछड़े समुदायों के सामने सबसे बड़ी मुश्किलों में से एक है कम डॉक्यूमेंटेशन। कई योग्य नागरिकों के पास पहचान के डॉक्यूमेंट, इनकम सर्टिफिकेट, ज़मीन के रिकॉर्ड या बैंक अकाउंट नहीं होते, जो फ़ायदे पाने के लिए ज़रूरी होते हैं। माइग्रेंट वर्कर, बेघर लोग, बुज़ुर्ग नागरिक और माइनॉरिटी अक्सर इन समस्याओं से बहुत ज़्यादा प्रभावित होते हैं। इसके अलावा, जानकारी की कमी की वजह से कई लोग अपने अधिकार नहीं पा पाते। कई नागरिकों को या तो सरकारी स्कीमों के बारे में पता नहीं होता या वे अप्लाई करने का प्रोसेस नहीं समझते। अनपढ़ता, भाषा की रुकावटें और गलत जानकारी पॉलिसी और उसे लागू करने के बीच के अंतर को और बढ़ाती हैं। लोगों को इन रुकावटों को दूर करने में मदद करना और वेलफेयर पॉलिसी और फ़ायदों के बीच के अंतर को कम करना न सिर्फ़ एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, बल्कि एक धार्मिक फ़र्ज़ भी है।

फ्रांस : जी-7 की बैठक

फ्रांस में जी-7 की बैठक के चलते विश्व का ध्यान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्र वाले देशों के इस संगठन की ओर जाना स्वाभाविक है। वैसे तो इस संगठन के सदस्य देशों में अमेरिका के अतिरिक्त ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान भी शामिल हैं, लेकिन कुल मिलाकर इस पर अमेरिका का ही दबदबा रहता है।

प्रति वर्ष जब भी जी-7 देशों की बैठक होती है तो यह संगठन चर्चा में तो आता है, लेकिन अभी तक का अनुभव यही बताता है कि वह कोई विशेष प्रभाव नहीं छोड़ पाता। इस बार भी ऐसा ही हो तो हैरत नहीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सदस्य देशों को सहयोगी कम, अपना अनुयायी अधिक समझते हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने इस दूसरे कार्यकाल में उन्होंने करीब-करीब सभी सदस्य देशों के साथ टैरिफ और अन्य मामलों में मनमाना व्यवहार किया है। कुछ सदस्य देशों के साथ तो उन्होंने बहुत ही बुरा बर्ताव किया है। उनके अपनी ही चलाने वाले रवैये के कारण अमेरिका के अन्य देशों के साथ मतभेद बढ़े हैं। इसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि यह संगठन टैरिफ, जलवायु परिवर्तन, एआइ के उचित उपयोग आदि के मामले में किसी सहमति पर पहुंच कर ऐसे कोई निर्णय ले पाएगा, जो विश्व की समस्याओं के समाधान में सहायक बनेंगे।

यह एक तथ्य है कि आपसी मतभेदों के कारण ही जी-7 संगठन न तो रूस-यूक्रेन युद्ध को थाम पाया और न ही पश्चिम एशिया संकट समेत अन्य वैश्विक समस्याओं को समय रहते सुलझा सका। इस बार बैठक का एक प्रमुख एजेंडा व्यापारिक असंतुलन दूर करना भी है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस असंतुलन का एक बड़ा कारण तो खुद अमेरिका है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने सदस्य देशों के साथ ही अन्य कई देशों पर जैसी धौंस जमाने की कोशिश की है, उसकी मिसाल मिलना कठिन है। चूंकि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री को मेहमान के रूप में इस संगठन में आमंत्रित किया गया है, इसलिए भारत के साथ विकासशील एवं निर्धन देशों का ध्यान भी इस बैठक की ओर जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने इन देशों की आकांक्षाओं को रेखांकित करने की बात कही है।

वे पहले भी ऐसा करते रहे हैं। जी-7 बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से अलग से मुलाकात होने के चलते यह भी विशेष रूप से देखना होगा कि दोनों देशों के संबंधों में व्यापक सुधार का रास्ता साफ होता है या नहीं? यदि अमेरिका इस संगठन को प्रभावी बनाना चाहता है तो उसे सदस्य देशों के साथ समानता का व्यवहार करना होगा। नि:संदेह ऐसी ही अपेक्षा भारत और अन्य मेहमान देशों की भी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह आभास होना चाहिए कि अब अमेरिका पहले जितना सक्षम नहीं रहा।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

आयुष विभाग के योग अभियान से जिलेभर में बढ़ रहा जन-जागरूकता का दायरा 20 दिनों में 29,385 लोगों तक पहुंचा योग का संदेश

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम)– अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के उपलक्ष्य में आयुष विभाग, जिला बिलासपुर द्वारा चलाए जा रहे योग जागरूकता अभियान को जिलेभर में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। 1 जून से आरंभ हुए इस अभियान के माध्यम से योग का संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है तथा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुखविंदर कौर ने बताया कि जिले की नैना देवी, झंडूता, घुमारवीं तथा सदर विधानसभा क्षेत्रों में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों एवं प्रशिक्षित योग गाइडों द्वारा महिला मंडलों, विद्यालयों, पंचायतों, आंगनबाड़ी केंद्रों, बाल योग शिविरों तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में नियमित योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 दिनों के दौरान आयोजित योग गतिविधियों में लगभग 29,385 लोगों ने भाग लिया है। अभियान के प्रति महिलाओं, विद्यार्थियों, युवाओं तथा आम नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। योग सत्रों के माध्यम से लोगों को तनाव मुक्त जीवन, बेहतर स्वास्थ्य तथा संतुलित दिनचर्या अपनाने का संदेश दिया जा रहा है। डॉ. सुखविंदर कौर ने बताया कि आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिला बिलासपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

हिमाचल में आउटसोर्स भर्तियों पर हाईकोर्ट की रोक, स्वास्थ्य व वित्त सचिव तलब

'चोर दरवाजे' से भर्ती नहीं चलेगी : हाईकोर्ट ने आउटसोर्स नियुक्तियों पर लगाई रोक

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य में आउटसोर्स आधार पर की जा रही भर्तियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बी. सी. नेगी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार और उसके अधीन किसी भी विभाग, बोर्ड, निगम या उपक्रम में भर्ती एवं पदोन्नति नियमों (आरएंडपी नियम) के विपरीत कोई नियुक्ति नहीं की जा सकती। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने स्वास्थ्य सचिव और वित्त सचिव को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य रखा गया कि स्वास्थ्य विभाग में पहले कर्मचारियों की नियुक्ति आउटसोर्स आधार पर की जाती है और बाद में उन्हें रोगी कल्याण समितियों में समाहित कर लिया जाता है। इस व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताते हुए खंडपीठ ने कहा कि अधिकारियों ने अज्ञात उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आउटसोर्सिंग के रूप में एक गुप्त मार्ग या चोर दरवाजा खोल रखा है। अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार केवल धन बचाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं का शोषण नहीं कर सकती।

खंडपीठ ने कहा कि विभागों में रिक्त पद उपलब्ध होने के बावजूद नियमित भर्ती प्रक्रिया नहीं अपनाना युवाओं को उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित करना है, जो मनमाना और भेदभावपूर्ण कदम माना जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि नियुक्तियों में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि सरकार के पास विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की सटीक और समग्र जानकारी उपलब्ध नहीं है। अदालत को यह भी नहीं बताया जा सका कि कुल रिक्तियों के मुकाबले आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रतिशत कितना है।

अदालत के समक्ष प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में 17,114 कर्मचारी आउटसोर्स आधार पर कार्यरत हैं। इनमें चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय में 2,578, विद्युत निगम लिमिटेड में 1,473, कृषि निदेशालय में 803, पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय में 793, ग्रामीण विकास विभाग में 632, पुलिस महानिदेशक कार्यालय में 630 तथा जल शक्ति विभाग में 542 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उच्च न्यायालय और हिमाचल प्रदेश न्यायिक अकादमी समेत 42 संस्थानों में भी बड़े पैमाने पर ऐसी नियुक्तियां की गई हैं। अब सरकार को 7 जुलाई को अदालत के समक्ष विस्तृत जवाब प्रस्तुत करना होगा।

राहुल गांधी युवाओं को गुमराह कर रहे, नीट पर राजनीति कर रही कांग्रेस : जयराम ठाकुर

कहा, पुलिस भर्ती घोटाले में दोषियों को बचा रही सुक्खू सरकार, कानून व्यवस्था ध्वस्त, सरकार को जनता की सुरक्षा की नहीं चिंता : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । मंडी
16 जून (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने नीट परीक्षा और प्रदेश की कानून–व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा हिमाचल सरकार पर तीखा हमला बोला है। मंडी में जलशक्ति विभाग के विश्राम गृह में भाजपा की संगठनात्मक बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी युवाओं को गुमराह करने की राजनीति कर रहे हैं और उन्हें देश की जनता गंभीरता से नहीं लेती।

जयराम ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने नीट परीक्षा को लेकर अभियान की शुरुआत उस राजस्थान से की है, जहां पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में सबसे अधिक पेपर लीक के मामले सामने आए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय राहुल गांधी ने इन घटनाओं पर कोई ठोस कार्रवाई या विरोध क्यों नहीं किया। उनका आरोप था कि कांग्रेस केवल राजनीतिक लाभ के लिए युवाओं की भावनाओं का इस्तेमाल कर रही है। नेता प्रतिपक्ष ने हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि हाल ही में पुलिस भर्ती प्रक्रिया के दौरान सामूहिक नकल और सीसीटीवी कैमरे बंद कर परीक्षा कराने जैसी गंभीर शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन सरकार ने इस मामले में कोई सख्त कदम नहीं उठाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जब भर्ती परीक्षा में अनियमितताओं की शिकायत मिली थी, तब तत्काल जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई की सिफारिशों के बावजूद वर्तमान सरकार ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां और पदोन्नति दी। जयराम ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी को अपने मुख्यमंत्री से यह पूछना चाहिए कि युवाओं के साथ कथित अन्याय करने वाले अधिकारियों को संरक्षण क्यों दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि नीट मामले में केंद्र की सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है और देश के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है।

इस दौरान उन्होंने शिमला में एक स्कूल संचालिका की हत्या की घटना पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उनका आरोप था कि महिला ने अपनी सुरक्षा को लेकर पहले ही पुलिस और प्रशासन से गुहार लगाई थी, लेकिन उसकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और अपराधियों में पुलिस का भय समाप्त हो चुका है। इससे पूर्व जयराम ठाकुर ने भाजपा की संगठनात्मक बैठक में भाग लिया, जिसमें संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार करने तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार सहित नगर निगम मंडी के नवनिर्वाचित भाजपा पार्षद भी मौजूद रहे। संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कांग्रेस ने महिलाओं के साथ किया विश्वासघात, चुनावी वादा हुआ ढेर : पायल वैद्य

28 लाख बहनों को 1500 देने का वादा किया था, अब केवल 2 लाख महिलाओं तक योजना सीमित

» प्रथम न्यूज । शिमला
16 जून (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य ने इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना में बार–बार किए जा रहे संशोधनों को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनावों के दौरान प्रदेश की महिलाओं से बड़े–बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आते ही उन वादों से मुकरने का काम किया है। अब सरकार ने योजना का दायरा और सीमित करते हुए 18 से 20 वर्ष आयु वर्ग की युवतियों को भी योजना से बाहर कर दिया है, जिससे कांग्रेस की कथनी और करनी का अंतर एक बार फिर जनता के सामने आ गया है।

पायल वैद्य ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों के दौरान प्रदेश की 28 लाख बहनों को हर महीने ?1500 देने का वादा किया था, लेकिन आज स्थिति यह है कि सरकार केवल चुनिंदा महिलाओं को योजना का लाभ देने की बात कर रही है। पहले एक परिवार से एक महिला की शर्त लगाई गई, फिर आय सीमा निर्धारित की गई और अब आयु सीमा में संशोधन कर हजारों युवतियों को भी योजना से बाहर कर दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस सरकार के पास न तो कोई स्पष्ट नीति थी और न ही अपने वादों को पूरा करने की इच्छाशक्ति।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने महिलाओं के नाम पर वोट तो ले लिए, लेकिन अब उन्हीं महिलाओं को पात्रता की नई–नई शर्तों में उलझाकर लाभ से वंचित किया जा रहा है। प्रदेश की माताएं, बहनें और बेटियां स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। यह केवल योजना में संशोधन नहीं बल्कि महिलाओं के साथ किया गया सीधा विश्वासघात है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि सुक्खू सरकार की हर गारंटी एक–एक कर धराशायी हो रही है। कभी 300 यूनिट मुफ्त बिजली, कभी रोजगार, कभी महिलाओं को ?1500 देने का वादा–सभी घोषणाएं आज केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं। सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और गलत नीतियों के कारण आज उसे अपने ही वादों से पीछे हटना पड़ रहा है।

पायल वैद्य ने कहा कि भाजपा महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस सरकार को प्रदेश की महिलाओं को बताना चाहिए कि आखिर 28 लाख बहनों से किए गए वादे का क्या हुआ और क्यों बार–बार नियम बदलकर योजना को सीमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में कांग्रेस सरकार को अपने अधूरे वादों और विश्वासघात का जवाब जनता के बीच देना होगा।

सत्ता के नशे में चूर कांग्रेस गरीब जनता पर डाल रही अतिरिक्त बोझ : जय सिंह

» प्रथम न्यूज । चंबा
16 जून (एएम नाथ)

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जय सिंह ने मंगलवार को चम्बा में पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सरकार चुनावी वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर जनता को केवल भ्रमित किया जा रहा है और वर्तमान सरकार अधिक समय तक चलने वाली नहीं है।

जय सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनने के बाद केवल आवेदन भरवाए गए और आज तक अधिकांश पात्र महिलाओं को राशि नहीं मिल सकी है। उन्होंने दावा किया कि चंबा जिले में करीब 21 हजार महिलाएं योजना के लाभ से वंचित हैं, जबकि पूरे प्रदेश की लगभग 28 लाख महिलाएं इस सहायता राशि का इंतजार कर रही हैं।

उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि डेढ़ सप्ताह के भीतर पात्र महिलाओं के खातों में राशि जमा नहीं की गई तो महिलाओं के साथ मिलकर चंबा स्थित जिला कल्याण अधिकारी के कार्यालय में ताला लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़े तो वह पीछे नहीं हटेंगे।

भाजपा नेता ने युवाओं के रोजगार के मुद्दे को भी उठाया। उनका कहना था कि प्रदेश के लाखों युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं, लेकिन सरकार के पास रोजगार सृजन की कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारों के साथ भी कांग्रेस ने वादाखिलाफी की है।

जय सिंह ने हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार रूटों पर चलती बसों में तकनीकी खराबियां सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उन्होंने निगम प्रबंधन से बसों के नियमित रखरखाव और मरम्मत सुनिश्चित करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनरों को देय लाभ देने में भी असफल रही है। महंगाई भत्ता सहित कई वित्तीय लाभ लंबित हैं, जिसके चलते पेंशनरों को धरना–प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बिजली दरों में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाते हुए जय सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर पर्यावरण सेस और फ्यूल चार्ज लगाकर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में भी 50 से 200 रुपये तक अतिरिक्त फ्यूल चार्ज जोड़ा जा रहा है, जिससे आम जनता की परेशानी बढ़ी है। उन्होंने सरकार से जनहित में इन फैसलों पर पुनर्विचार करने की मांग की।

डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा क्लब झांगड़ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा का समापन

झांगड की टीम को हराकर खरोटा टीम विजयी, विधायक राम कुमार चौधरी ने विजेता, उप विजेता टीमों को किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
16 जून (तारा)

विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत चडियार के झांगड में कार्यरत डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा क्लब द्वारा तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने किया व खेल शुरू होने से पहले उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई व आयोजकों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के समापन पर दून विधानसभा के विधायक चौधरी रामकुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विजेता व उप विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

इससे पूर्व खेल मैदान में पहुंचने पर आयोजकों सहित स्थानीय लोगों ने उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

क्लब के प्रधान संजीव कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए क्रिकेट मैच का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस स्पर्धा के आयोजन का मुख्य उद्धेश्य युवाओं को नशे से दूर रखने व उन्हें खेलों के प्रति जागरूक करना है।

प्रधान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 22 टीमों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन कर खेल प्रेमियों का उत्साह बढ़ाया। फाइनल मैच खरोटा व झांगड़ की टीम के बीच खेला गया, जिसमें आयोजकों ने खरोटा टीम को विजेता व झांगड़ की टीम को उप विजेता घोषित किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विजेता व उप विजेता टीम को बधाई दी व उन्हें नगद पुरस्कार राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों द्वारा पहले दिन खेल शुरू होने से पूर्व नशाखोरी पर लगाम लगाने को लेकर ली गई शपथ का स्वागत किया व युवाओं को नशे से दूर रहने का आवाहन किया।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य सज्जनों ने अपनी ओर से आयोजकों को प्रोत्साहन राशि भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया। इसमें बीडीओ पट्टा कुलदीप सिंह ने रुपये 2100, मुख्य अतिथि राम कुमार चौधरी ने 20,000रुपये, समाजसेवी विधि चंद राणा ने 6100 रुपये, प्रधान ग्राम पंचायत कोटबेजा अजय कंवर ने 3100 रु, पट्टा नाली से बीडीसी सदस्य रमेश कुमार ने 2100 रु, ग्राम पंचायत चढियार के प्रधान अमरनाथ ने 3100 रु, उप प्रधान मुकेश कुमार ने 2100 रु, देवराज ने 1100 रु, घनश्याम कंवर ने 1100 रुपये, सैनु राम 1100रु, मंधाला से जिप सदस्य राज कुमार चौधरी ने 2100 रुपये, टकसाल से जिप सदस्य पंकज शर्मा ने रुपये11000/–, बबू अत्रि ने 11000 रुपये की राशि क्लब को भेंट की। क्लब के सचिव विनोद कुमार व कुलदीप पंवर ने मंच का संचालन किया व इस सफल आयोजन के लिए सभी क्लब के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों व गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

सिहुंता स्टार नाइट रही यादगार, विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने दी 51 हजार की सम्मान राशि

स्टार नाइट बनेगी 'भटियात उत्सव', विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की बड़ी घोषणा, अनुज शर्मा और सुरेंद्र कपूर की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

» प्रथम न्यूज । सिहुंता
16 जून (एएम नाथ)

सिहुंता में आयोजित स्टार नाइट कार्यक्रम अत्यंत सफल, भव्य और यादगार रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देर रात तक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने आयोजन की सराहना करते हुए स्टार नाइट कमेटी को 51 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन क्षेत्र की कला, संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इस स्टार नाइट कार्यक्रम को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाएगा तथा इसे 2 से 3 दिवसीय भटियात उत्सव के रूप में आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच मिल सके। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति ने मुख्य अतिथि, कलाकारों, सहयोगकर्ताओं और सभी उपस्थित लोगों का हृदय से धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग और समर्थन की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सिहुंता, ग्राम पंचायत छल्लाड़ा तथा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति, माताएं, बहनें, युवा और ग्रामीण पहुंचे। उपस्थित जनसमूह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन समिति ने सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के सहयोग और सहभागिता से ही यह आयोजन इतनी शानदार सफलता प्राप्त कर सका। स्टार नाइट कमेटी सिहुंता के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की मेहनत भी कार्यक्रम की सफलता का प्रमुख आधार रही। समिति के सदस्यों ने आयोजन की तैयारियों से लेकर कार्यक्रम के सफल संचालन तक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया, जिसके चलते पंडाल में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। सांस्कृतिक संध्या के दौरान हिमाचल के प्रसिद्ध गायक अनुज शर्मा और सुरेंद्र कपूर ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उनके लोकप्रिय गीतों पर उपस्थित लोग देर रात तक झूमते और तालियां बजाते नजर आए। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और दर्शकों को यादगार अनुभव प्रदान किया।

16 साल बाद विश्व कप में दोहराया इतिहास, 5वें दिन खेले गए सभी 4 मैचों का नहीं निकला कोई नतीजा

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में एक ऐसा दिलचस्प नजारा देखने को मिला है, जिसने 2010 के विश्व कप की यादें ताजा कर दी हैं।

टूर्नामेंट के 5वें दिन खेले गए सभी चार मुकाबलों में कोई भी टीम जीत हासिल नहीं कर सकी और सारे मैच ड्रॉ पर खत्म हुए। पूरे दिन भर में कुल 8 गोल दागे गए, लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक सभी मुकाबले बेनतीजा ही रहे।

केप वर्ड ने अपने डेब्यू मैच में स्पेन को चौंकाया

दिन का पहला मुकाबला दुनिया की नंबर 3 टीम स्पेन और केप वर्ड के बीच खेला गया। केप वर्ड का यह विश्व कप इतिहास में डेब्यू मैच था। अपने पहले ही मैच में इस टीम ने शानदार खेल दिखाया और स्पेन जैसी मजबूत टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। यह रोमांचक मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा।

मिस्र और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर

दूसरा मैच बेल्जियम और मिस्र (इजिप्ट) के बीच खेला गया, जो 1-1 से ड्रॉ रहा। इस मैच में मिस्र के इमाम ओशोर ने 20वें मिनट में शानदार गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो हाफ टाइम तक बरकरार रही। हालांकि, दूसरे हाफ के 66वें मिनट में बेल्जियम के मोहम्मद हैनी ने गोल दागकर अपनी टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया।

उरुग्वे के खिलाफ सऊदी अरब का शानदार प्रदर्शन

दिन का तीसरा मुकाबला सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच हुआ। इस मैच में भी दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। 41वें मिनट में सऊदी अरब के अल अमीरी ने गोल कर एक बड़े उलटफेर की उम्मीद जगाई थी।

लेकिन 80वें मिनट में आखिरकार उरुग्वे की टीम ने वापसी करते हुए गोल दाग दिया और सऊदी अरब की बढ़त को खत्म कर दिया।

ईरान और न्यूजीलैंड के मैच में लगे सबसे ज्यादा गोल

चौथे और आखिरी मुकाबले में ईरान और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं। इस मैच में दिन के सबसे ज्यादा 4 गोल देखने को मिले, लेकिन यह मैच भी 2-2 से ड्रॉ पर ही खत्म हुआ। न्यूजीलैंड ने इस मैच में दो बार बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने दोनों बार शानदार वापसी की। न्यूजीलैंड के लिए एलिजाह जस्ट ने 7वें और 55वें मिनट में दो बेहतरीन गोल दागे। वहीं, ईरान की ओर से रमीन रिजालन ने 32वें और मोहम्मद मोहेबी ने 64वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया।

इकाना स्टेडियम में होगी रनों की बारिश या गेंदबाज करेंगे कमाल! जानिए पिच का ताजा हाल

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे मैच बुधवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत सीरीज में 1-0 से आगे है और ऐसे में उसकी नजरें सीरीज जीतने पर होंगी। वहीं अफगानिस्तान की टीम बराबरी करने की फिराक में होगी। हालांकि, जीत के लिए दोनों ही टीमों की नजरें पिच पर रहेंगी। इकाना स्टेडियम की पिच को देखने के बाद ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग-11 को लेकर अंतिम फैसला लेंगी।

कैसी होगी पिच?

जहां तक इस स्टेडियम की पिच की बात है तो ये धीमी मानी जाती है। काली मिट्टी की बनी ये पिच स्पिन गेंदबाजों की मदद करती है। हालांकि, इस पिच में कुछ बदलाव किए गए हैं जिससे पिच में बल्लेबाजों को भी मदद मिल रही है। आईपीएल मैचों के दौरान भी यही देखने को मिला था। ऐसे में अगर यहां रनों की बारिश हो जाए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। फिर भी स्पिनर यहां हावी रहेंगे। गेंदबाजों को यहां संभल कर खेलना होगा और अपनी लाइन लैंग्थ पर ध्यान देना होगा। तभी वह बल्लेबाजों को रोक पाने में सफल रहेंगे।

भारत ने खेले दो मैच

भारत ने इस स्टेडियम में अभी तक सिर्फ दो ही वनडे मैच खेले हैं जिसमें से एक में उसे हार तो एक में उसे जीत मिली है। भारत ने यहां अपना पहला मैच छह अक्टूबर 2022 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने जीत हासिल की थी। वहीं टीम इंडिया आखिरी बार वनडे में यहां इंग्लैंड के खिलाफ 29 अक्टूबर 2023 को उतरी थी। इस वनडे में उसने 100 रनों से जीत हासिल की थी।

भारत से हार के बाद पाकिस्तान की फजीहत! ICC ने भी चलाया चाबुक, पूरी टीम पर ठोका जुर्माना

विमेंस टी20 विश्व कप 2026 के छठे मैच में भारतीय टीम से हार के बाद पाकिस्तान महिला टीम को एक और झटका लगा है। रविवार को बर्मिंघम में खेले गए मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान को 64 रन से शिकस्त दी थी। अब स्लो ओवर-रेट के लिए पाकिस्तान पर उनकी मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने इसकी जानकारी दी।

एक ओवर कम फेंक पाई

आईसीसी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए ICC महिला T20 वर्ल्ड कप के ग्रुप मैच में भारत के खिलाफ धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के कारण पाकिस्तान पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी पाकिस्तान द्वारा तय लक्ष्य से एक ओवर कम फेंकने की बात सामने आने पर एमिरेट्स ICC इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की ट्रुडी एंडरसन ने यह जुर्माना लगाया।

पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया

आईसीसी की खिलाड़ियों और सपोर्ट कर्मचारियों के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार (जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघनों से संबंधित है) खिलाड़ियों पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। अगर उनकी टीम निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है।

पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान फातिमा सना ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को मान लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई नहीं होगी। बता दें कि ऑनफील्ड अंपायर क्लेयर पोलोसाक और जैकलिन विलियम्स, तीसरे अंपायर एलोइस शेरिडन और चौथे अंपायर सू रेडफर्न ने यह आरोप लगाया था।

मुकाबले का हाल

मुकाबले की बात करें तो स्मृति मंधाना (68) के अर्धशतक के बाद कप्तान हरमप्रीत कौर (36) और विकेटकीपर ऋचा घोष (34) की पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 170 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान टीम 106 रन पर ढेर हो गई थी। दीप्ति शर्मा ने 5 विकेट चटकाए थे, वह मुकाबले की हीरो रही थीं।

शिमला में चमका इंदौरा का सितारा: समर प्रताप सिंह ने 10 और 50 मीटर शूटिंग में जीते गोल्ड मेडल

गौरव का क्षण: समर प्रताप सिंह ने दो स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया इंदौरा और प्रताप वर्ल्ड स्कूल का मान

» प्रथम न्यूज । इंदौरा
16 जून (दिनेश धीमान)

इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी का अवसर उस समय सामने आया जब क्षेत्र के होनहार खिलाड़ी समर प्रताप सिंह ने शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। समर ने 10 मीटर और 50 मीटर शूटिंग स्पर्धाओं में उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया और क्षेत्र सहित अपने विद्यालय का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया।

समर प्रताप सिंह की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनके परिवार, मित्रों, शिक्षकों तथा खेल प्रेमियों ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच समर ने अपनी एकाग्रता, आत्मविश्वास और मेहनत के बल पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

समर की इस सफलता ने प्रताप वर्ल्ड स्कूल का नाम भी गौरवान्वित किया है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने समर को बधाई देते हुए कहा कि वह स्कूल के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनकर उभरे हैं। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि समर की उपलब्धि यह दर्शाती है कि यदि विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते है। समर के पिता मनमोहन कटोच ने बताया कि उन्हें अपने बेटे की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व है। उन्होंने कहा कि समर ने लगातार मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ शूटिंग का अभ्यास किया है, जिसका परिणाम आज पूरे प्रदेश के सामने है। उन्होंने कहा कि परिवार हमेशा से समर को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है और भविष्य में भी उसे हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

शूटिंग जैसे चुनौतीपूर्ण खेल में सफलता प्राप्त करना आसान नहीं होता। इसके लिए मानसिक संतुलन, धैर्य, निरंतर अभ्यास और लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता होती है। समर ने इन सभी गुणों का परिचय देते हुए राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी और वे भी अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ेंगे। क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों ने भी समर प्रताप सिंह को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी है। सभी ने विश्वास जताया कि समर भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

समर प्रताप सिंह की यह ऐतिहासिक सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वह आगे भी इसी प्रकार सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।

दुर्गा माता मंदिर में हवन यज्ञ के साथ संपन्न हुई श्रीमदभागवत कथा

गुल्लरवाला पंचायत के लोगों ने दी पूर्णाहुति, जीवन में शांति प्रदान करती है भागवत- ऋषि गौतम

» प्रथम न्यूज । बद्दी
16 जून (तारा)

श्रीमदभागवत कथा को हवन व पूर्ण आहुति के बाद विराम दिया गया। गुल्लरवाला पंचायत व आसपास के सैंकड़ो लोगों ने हवन में भाग लेकर पूर्णाहुति दी। पुर्णाहुति से पूर्व क्षेत्र के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित ऋषि गौतम ने श्री कृष्ण जी द्वारा कंस का वध, भगवान के आदेश से विश्वकर्मा द्वारा द्वारका नगरी का निर्माण,कंस की मृत्यु के बाद जरासंध द्वारा भगवान पर 17 बार आक्रमण, द्वापर युग के चौथे चरण में भगवान का गोलोक गमन, तक्षक नाग द्वारा राजा परीक्षित जी को डांस मारना, परीक्षित जी का परलोक गमन अनेक प्रसंग सुनाए।

कथावाचक ने कहा कि भागवत की कथा जीवन को शांति प्रदान करती है, जीवन जीने का सही ढंग भागवत ही सिखाती है। भगवान श्री कृष्ण का संपूर्ण जीवन योग साधना तपस्या एवं योद्धाओं का है। भगवान जैसा योद्धा धरती पर कोई दूसरा हुआ ही नहीं। राजनीति का निपुण श्रृंगार रस, प्रेम रस व अध्यात्म रस का जानकारी औरों के पास नहीं है।

भगवान श्री कृष्ण ने सभी वर्ग का कल्याण करने के लिए गीता का उपदेश दिया। सुदामा जैसे गरीब मित्र का भी कभी साथ नहीं छोड़ा। यह भगवान अपने जीवन में सीखाते हैं। उन्होंने अपनी मधुर वाणी से भगवान कृष्ण व मीरा के जीवन पर आधारित लयबद्ध भजन सुनाए। श्रद्धालुओं से भरा पंडाल भजन सुनकर मंत्र मुग्ध होकर कर झूमने को मजबूर हुए।

कथा के बाद व्यास पीठ को विदाई दी गई। दोपहर बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में गुल्लरवाला, लेही, कडुआना, धखड़ूमाजरा, ओम साई काम्प्लेक्स,भूपनगर, धर्मपुर व आसपास के सैंकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्रीकृष्ण का आर्शिवाद लिया।

इस अवसर पर गुल्लरवाला पंचायत के उप प्रधान ज्ञान चंद, पूर्व उप प्रधान पम्मी राम, निर्मल गोला पंच,डॉ भाग सिंह चौधरी, सीता राम चौधरी, प्रकाश, रोशन लाल चौधरी, मघर सिंह, सुरिंदर सिंह,सीता राम चौधरी, बहादुर सिंह, डॉ राम आसरा, बजिन्दर सिंह चौधरी, पंच सोमा देवी, सोचा देवी, बगो देवी, तारा कश्यप, मनजीत कौर, गुरमीत कौर आदि दर्जनों गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सुधीर शर्मा के साथ सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने देखा ढगवार मिल्क प्लांट

धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा बोले, नेशनल डेयरी डिवेल्पमेंट बोर्ड का यह प्रोजेक्ट मील का पत्थर होगा साबित

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
16 जून (एएम नाथ)

केंद्र सरकार के '12 साल विश्वास के, विकास के' जनकल्याण कार्यक्रम' के तहत राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने धर्मशाला से विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर शर्मा की अगवाई में ढगवार में निर्माणाधीन अत्याधुनिक मिल्क प्लांट का दौरा किया। इस दौरान सांसद ने कहा कि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा निर्मित यह राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट है और इसकी विशेषता यह है कि यह विधायक सुधीर शर्मा की देखरेख में उनके विधानसभा क्षेत्र में आकार ले रहा है। कार्यक्रम में सांसद राजीव भारद्वाज भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान सांसद सुधांशु त्रिवेदी को प्लांट की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि धर्मशाला विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और इसमें विधायक सुधीर शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना से लेकर कई बड़े विकास कार्य धर्मशाला को मिले हैं, जिनका लाभ पूरे क्षेत्र को मिल रहा है।

यहां सुधीर शर्मा ने सांसद को बताया कि ढगवार दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र से जुड़े किसानों की संख्या और दूध संग्रहण में लगातार वृद्धि हो रही है। दिसंबर 2023 में जहां प्रतिदिन लगभग 6,200 लीटर दूध संग्रहित किया जाता था, वहीं वर्तमान में यह आंकड़ा बढक़र करीब 24,000 लीटर प्रतिदिन पहुंच गया है। संयंत्र प्रबंधक अखिलेश पाराशर के अनुसार यह वृद्धि डेयरी सहकारी समितियों के विस्तार और किसानों को मिल रही बेहतर खरीद दरों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कांगड़ा क्लस्टर में सक्रिय डेयरी सहकारी समितियों की संख्या 44 से बढक़र 352 हो गई है, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण दुग्ध उत्पादक संगठित व्यवस्था से जुड़ पाए हैं। सुधीर शर्मा ने कहा कि लगभग 225 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह पूर्णतः स्वचालित मिल्क प्लांट सितंबर तक शुरू होने की संभावना है। इसके शुरू होने के बाद फ्लेवर्ड मिल्क, दही, लस्सी, मोजरेला चीज़, पनीर, योगर्ट और खोआ जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा। इसके अलावा कांगड़ा मिल्क यूनियन के तहत 20-20 हजार लीटर क्षमता वाले दो नए चिलिंग सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं।

जी 7 में बोले पीएम मोदी- समुद्री मार्गों की सुरक्षा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी

ट्रंप के सामने मोदी ने उठाया भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में वैश्विक सुरक्षा, समुद्री व्यापार और देशों के बीच भरोसे पर आधारित साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। फ्रांस के एवियन में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव और जहाजों को रोके जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस स्थिति का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और भारत समेत कई देशों को नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाते हुए मोदी ने कहा कि कई भारतीय नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक समुद्री व्यापार को संचालित करने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में मानवता की प्रगति और समृद्धि के लिए देशों के बीच मजबूत साझेदारी और आपसी विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भरोसा ही आज के दौर की सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है।

मोदी ने कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'मानवता पहले' के सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस, मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहलों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान दुनिया के विभिन्न देशों की मदद की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना होना चाहिए।

कांग्रेस को सिरमौर में झटका, वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा भाजपा में शामिल

नाहन (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उनके भाजपा में शामिल होने को जिले की राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। भाजपा में शामिल होने के बाद संदीप शर्मा ने कहा कि वह पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों, विकासोन्मुखी सोच और राष्ट्रीय हित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भाजपा परिवार का हिस्सा बनने का निर्णय लिया है।

संदीप शर्मा लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े रहे हैं और विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। उन्होंने जिला महासचिव, जिला मीडिया प्रभारी तथा नाहन विधानसभा क्षेत्र युवा कांग्रेस अध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों पर कार्य किया है। संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ जनसंपर्क और सामाजिक कार्यों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी में शामिल होने पर संदीप शर्मा का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पार्टी पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव, संगठनात्मक कौशल और जनसेवा के प्रति समर्पण से भाजपा संगठन को मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की गतिविधियों को नया विस्तार मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता सिरमौर और हिमाचल प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करेंगे।

किशाऊ बांध परियोजना का रास्ता साफ, हिमाचल पर 2,000 करोड़ रुपये का बोझ घटेगा

अमित शाह की अध्यक्षता वाली बैठक में हिमाचल की बड़ी जीत, किशाऊ परियोजना को मिली नई गति

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 जून (एएम नाथ)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश के हितों की मजबूती से पैरवी करते हुए किशाऊ बांध परियोजना से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

बैठक में पिछले आठ वर्षों से वित्तीय लागत को लेकर अटकी हुई 422 मेगावाट क्षमता की किशाऊ डैम प्रोजेक्ट पर विस्तार से चर्चा हुई। करीब 15,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के निर्माण का मार्ग अब प्रशस्त हो गया है।

बैठक में भारत सरकार ने सैद्धांतिक रूप से सहमति दी कि परियोजना के जल घटक से लाभान्वित होने वाले राज्य दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश के हिस्से के विद्युत घटक से संबंधित लगभग 2,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वहन करेंगे। इससे राज्य सरकार पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ काफी हद तक कम होगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बैठक में स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सरकार ने परियोजना में राज्य के हिस्से के रूप में 800 करोड़ रुपये वहन करने पर सहमति दी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रदेश के सीमित वित्तीय संसाधनों को देखते हुए इस व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप अब अधिक अनुकूल समाधान सामने आया है। परियोजना के पूर्ण होने पर हिमाचल प्रदेश को प्रतिवर्ष लगभग 100 करोड़ यूनिट बिजली की हिस्सेदारी प्राप्त होगी, जिसका अनुमानित मूल्य करीब 600 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष बताया गया है। बैठक में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा परियोजना से लाभान्वित राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार की पंजाब के दोआबा क्षेत्र को एक बड़ी सौगात

आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदला, अब 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा' के नाम से जाना जाएगा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

16 जून (एएम नाथ)

केंद्र सरकार ने पंजाब के दोआबा क्षेत्र को एक बड़ी सौगात देते हुए जालंधर स्थित आदमपुर हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा' कर दिया है। इस संबंध में 12 जून को केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई, जिसके साथ ही नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी हो गई। इस ऐतिहासिक नामकरण का डिजिटल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान समाज सुधारक गुरु रविदास के 649वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर किया। इस दौरान उन्होंने नई नामपट्टिका का अनावरण कर गुरु रविदास जी के सामाजिक योगदान को नमन किया।

केंद्र सरकार का यह फैसला दोआबा क्षेत्र की धार्मिक भावनाओं और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आदमपुर एयरपोर्ट लंबे समय से जालंधर और होशियारपुर समेत पूरे दोआबा क्षेत्र के लिए हवाई सेवाओं का प्रमुख केंद्र रहा है। अब यह हवाई अड्डा संत गुरु रविदास महाराज जी के नाम से जाना जाएगा, जो सामाजिक समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश के प्रतीक माने जाते हैं।

सरकारी अधिसूचना जारी होने के बाद इस निर्णय पर अंतिम मुहर लग गई है। नाम परिवर्तन की घोषणा के बाद पंजाब ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में रहने वाले गुरु रविदास जी के अनुयायियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्रवासी भारतीयों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक और सम्मानजनक कदम बताया है। विशेष रूप से दोआबा क्षेत्र में इस निर्णय को सांस्कृतिक पहचान और गौरव से जोड़कर देखा जा रहा है।

लोगों का मानना है कि आदमपुर हवाई अड्डे का नया नाम आने वाली पीढ़ियों को गुरु रविदास जी की शिक्षाओं, सामाजिक समरसता और मानवता के मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अखबारों और सोशल मीडिया की खबर का असर – मनीमाजरा मोटर मार्केट के पास कूड़े के ढेरों की हुई पूरी सफाई : राजबीर सिंह भारतीय

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ क्षेत्र में कूड़े के ढेरों पर भोजन तलाश रहे गौवंश और उनके द्वारा प्लास्टिक व अन्य हानिकारक वस्तुएं खाने की समस्या को प्रमुखता से उठाने के बाद प्रशासन एवं नगर निगम की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान की पूरी सफाई कर दी है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि अब वह स्थान पूरी तरह साफ दिखाई दे रहा है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे वहां कभी कूड़ा था ही नहीं। इस सकारात्मक कार्रवाई के लिए नगर निगम (कॉर्पोरेशन) की एमओएच टीम का धन्यवाद किया जाता है। राजबीर सिंह भारतीय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन, मनीमाजरा चंडीगढ़ ने कहा कि मीडिया, यूट्यूब चैनलों, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से उठी इस आवाज का असर हुआ और प्रशासन ने जनहित में तुरंत कदम उठाया। इसके लिए हम सभी तरह मिडिया संचालकों का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

उन्होंने कहा कि अब हमारी प्रशासन, नगर निगम और पशुपालन विभाग से विनम्र प्रार्थना है कि मनीमाजरा व अन्य क्षेत्रों में खुले में घूम रहे गौवंश को सुरक्षित गौशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें अच्छा चारा, स्वच्छ वातावरण और समय पर चिकित्सीय सुविधा मिल सके। राजबीर सिंह भारतीय ने कहा कि गौवंश की सुरक्षा और देखभाल केवल धार्मिक भावना नहीं बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। यदि हम मिलकर प्रयास करें तो शहर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ बेजुबान पशुओं की भी बेहतर सेवा कर सकते हैं। उन्होंने नगर निगम एवं संबंधित विभागों से अपील की कि भविष्य में भी ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे गौवंश को कूड़े के ढेरों पर भोजन तलाशने की मजबूरी न हो।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत गांव मेहता और रामदीवाली से श्रद्धालुओं की बस रवाना

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

16 जून (संदीप सन्नी)

डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा द्वारा %मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना% के अंतर्गत गांव मेहता और रामदीवाली से पवित्र धरती श्री आनंदपुर साहिब के लिए श्रद्धालुओं की विशेष बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पावन अवसर पर यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए विधायक ने उनकी सुखद, मंगलमय और सफल यात्रा की कामना की। इस मौके पर उनके साथ विरासत सेवा संगठन के जिला अध्यक्ष एवं मार्केट कमेटी कलानौर के चेयरमैन रणजीत सिंह बाठ झंगी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर बातचीत करते हुए विधायक रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई %मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना% आम जनता के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस योजना के तहत लोगों को देश के विभिन्न पूजनीय व धार्मिक स्थलों के दर्शन मुफ्त में करवाए जा रहे हैं, जिससे लोग पूरी श्रद्धा भावना के साथ इस यात्रा का लाभ उठा रहे हैं।

इन धार्मिक स्थलों के होंगे दर्शन

विधायक ने यात्रा के रूट की जानकारी देते हुए बताया कि इस बस के माध्यम से श्रद्धालुओं को तीन दिनों की अवधि में निम्नलिखित पवित्र स्थलों के दर्शन करवाए जाएंगे

श्री आनंदपुर साहिब
तख्त श्री केसगढ़ साहिब
विरासत-ए-खालसा
श्री कीरतपुर साहिब
माता नैना देवी जी

श्रद्धालुओं ने सरकार का जताया आभार- इस यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री और विधायक रंधावा का तह दिल से धन्यवाद किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि सरकार की इस मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के कारण पूरे इलाके के लोगों में खुशी का माहौल है और वे अपने पावन धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

करोड़ों की सरकारी धनराशि गबन में लखनऊ, मिर्जापुर के बाद अब बस्ती में भी दर्ज हुआ चार के खिलाफ मुकदमा

पवन पाण्डेय | आशीष पाठक | शिकायतकर्ता जितेंद्र अग्रवाल

» प्रथम न्यूज । कानपुर

16 जून (सुनील बाजपेई)

शहरों और गांव के विकास के लिए मिलने वाले सरकारी धन को जालसाजी, धोखाधड़ी और कूट रचना के माध्यम से एक राय होकर हड़प करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे ही एक मामले में आरोपियों के खिलाफ भादंसं की धारा 409 ,419 ,420 ,467,468 ,471,504 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर जाने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना जांच शुरू कर दी है। डीआईजी के आदेश पर दर्ज हुई एफ आई आर में लगाए गए आरोपों के मुताबिक 1.25 करोड़ की यह सरकारी धनराशि पूर्व सांसद की अनुशंसा पर 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु उपलब्ध कराई गई थी ,जिसे विभिन्न व्यक्तियों के नामों से खातों से निकाल लिया गया।

भारतीय को आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड लालबाग लखनऊ के अध्यक्ष एवं निदेशक पद के लिए भी निर्वाचित रहे जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा कोतवाली बस्ती में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक् वर्ष 2018 में पूर्व सासंद हरीश द्विवेदी की अनुशंसा पर वर्ष 2018 में नार्दन कोल्ड फील्ड सिंगरौली से निगमित सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 1.25 करोड रूपये प्राप्त हुए थे ,जिसे भारतीय को-आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड बस्ती की बैंक आफ इन्डिया शाखा बस्ती में एकाउन्ट खोलकर जमा किये गए थे।

एफ आई आर के अनुसार पवन कुमार पाण्डेय पुत्र गिरीश दत्त पाण्डेय बेलसर जिला गोण्डा, आशीष कुमार पाठक पुत्र मथुरा प्रसाद इस्माइलगंज इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ के संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित इसी खाते से पवन कुमार पाण्डेय पुत्र गिरीश दत्त पाण्डेय, आशीष कुमार पाठक, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, मो0 आमिर आदि द्वारा एक राय होकर मिली भगत करते हुए खाते से भिन्न भिन्न व्यक्तियों के नाम से सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 1.25 करोड रूपये प्राप्त धनराशि खाते से निकाल ली।

आरोपों के मुताबिक इसके उपरान्त नार्दन कोल्ड फील्ड सिंगरौली के सभी कार्य पूर्ण नहीं होने के बाद भी कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र जमा कर दिया गया। जबकि निर्माण कार्यों के पूरा नहीं होने से संबंधित कई शिकायती पत्र ग्राम प्रधान द्वारा पहले ही भेजे जा चुके थे।

जान से मारने की धमकी और गाली गलौज करने का भी आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराने वाले अध्यक्ष और निर्वाचित निदेशक भी रहे दहिलामऊ सिविल लाइन प्रतापगढ़ निवासी जीतेन्द्र कुमार अग्रवाल के मुताबिक उपरोक्त सभी ने भारतीय को-आपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड लिमिटेड लालबाग लखनऊ की छवि खराब करने के साथ-साथ जालसाजी कर कूटरचित अभिलेख तैयार करते हुए धनराशि का गबन धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और हेरा फेरी की है। अवगत कराते चलें कि संबंधित मामले में इसके पहले भी दो और मुकदमे दर्ज कराए जा चुके हैं। फिलहाल पुलिस अग्रिम कार्रवाई के लिए मामले की गहन विवेचना में लगातार जुटी हुई है।

प्री-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन मैपिंग में तेजी लाने के लिए जिले के सभी पोलिंग स्टेशनों पर 7 जून को लगेंगे विशेष कैंप

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

16 जून (संदीप सन्नी)

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी, गुरदासपुर आदित्य उप्पल ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची के साथ मौजूदा मतदाताओं की चल रही प्री-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन मैपिंग के कार्य में तेजी लाने के लिए एक विशेष मुहिम शुरू की जा रही है। इसके तहत आगामी 7 जून 2026 (दिन रविवार) को सुबह 10-00 बजे से शाम 04-00 बजे तक जिले के समूह (सभी) पोलिंग स्टेशनों पर विशेष कैंप लगाए जाएंगे।

जिला चुनाव अधिकारी ने जिले के सभी चुनाव पंजीकरण अधिकारियों और सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को सख्त हिदायत जारी की है। उन्होंने आदेश दिए हैं कि उनके अधीन आने वाले सभी बूथ लेवल अधिकारी 7 जून को लगने वाले इन विशेष कैंपों के दौरान अनिवार्य रूप से सुबह 10-00 से शाम 04-00 बजे तक अपने-अपने अलॉटेड पोलिंग बूथों पर उपस्थित रहेंगे।

राजनीतिक दलों का लिया जाएगा सहयोग – कार्य को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इस संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ तालमेल स्थापित करें, ताकि उनके बूथ लेवल एजेंटों का भी इस मैपिंग प्रक्रिया में पूरा सहयोग लिया जा सके।

शाम 4-30 बजे तक भेजनी होगी रिपोर्ट; भवनों को खुला रखने के निर्देश – समीक्षा और निगरानी को लेकर जिला चुनाव अधिकारी ने निम्नलिखित कड़े निर्देश दिए हैं-

निरीक्षण (चैकिंग)- पोलिंग स्टेशनों पर सुपरवाइजरों और बीएलओ की उपस्थिति व कार्य की चेकिंग सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों के माध्यम से तथा व्यक्तिगत रूप से की जाएगी।

समय पर रिपोर्ट – कैंप के दौरान मैप किए गए कुल मतदाताओं की संख्या से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट उसी दिन यानी 7 जून को शाम 04-30 बजे तक मुख्य जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित किया जाए।

इमारतों को खुला रखना – सभी विभागों के प्रमुखों को कड़े आदेश जारी किए गए हैं कि 7 जून (रविवार) को विशेष कैंप के सुचारू संचालन के लिए संबंधित पोलिंग स्टेशनों वाली सरकारी इमारतों/स्कूलों को खुला रखना हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

चंडीगढ़ पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार सप्लाई गैंग का किया भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

16 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस की ऑपरेशन सेल ने अवैध हथियारों की तस्करी और आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्तौल, दो देसी कट्टे तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय अपराधियों तक अवैध हथियार पहुंचाने वाले नेटवर्क पर बड़ी चोट माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ असामाजिक तत्व अपराधियों को अवैध हथियार और अन्य लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध करवा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यूटी चंडीगढ़ सागर प्रीत हुड्डा के निर्देशन तथा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ऑपरेशन सेल की एक विशेष टीम गठित की गई।

जांच के दौरान 8 जून 2026 को ऑपरेशन सेल की टीम ने गश्त और विशेष नाकाबंदी के दौरान अभियास पुत्र सरवन यादव (23) निवासी गांव मौलीजागरां, चंडीगढ़ को बीएसएनएल टर्न, फेज-2 के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में थाना सेक्टर-31 में एफआईआर नंबर 93 दिनांक 08 जून 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं 25, 54 और 59 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ में महत्वपूर्ण खुलासे हुए। उसकी निशानदेही पर 10 जून 2026 को विकास उर्फ बट्टी (20) निवासी डीएमसी, चंडीगढ़ को सेक्टर-43 स्थित सीटीयू वर्कशॉप के पीछे टी-पॉइंट के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देसी कट्टा बरामद किया।

इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने 15 जून 2026 को अभियास के खुलासे के आधार पर तैयब उर्फ चेतन (20) निवासी मनीमाजरा, चंडीगढ़ को किशनगढ़ चौक के निकट स्लिप रोड से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से भी एक देसी कट्टा बरामद किया गया।

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान कुल एक देशी पिस्तौल, दो देसी कट्टे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी अवैध हथियारों की सप्लाई चेन से जुड़े हुए थे और स्थानीय अपराधियों तक हथियार पहुंचाने का काम कर रहे थे।

चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार मामले की गहन जांच जारी है। गिरोह के अन्य सदस्यों, हथियारों के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क की पहचान करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अपराध पर अंकुश लगाने और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए इस तरह के अभियानों को आगे भी जारी रखा जाएगा।

पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।